संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -137 सोमवार , 18 मार्च 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ में पुलिसकर्मी शहीद

होशियारपुर,17 मार्च 2024(ए)। पंजाब पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है। राज्य के होशियारपुर जिले में सीआईए की टीम छापा मारने पहुंची थी। इसी दौरान अपराधियों की ओर से फायरिंग की गई, जिसमें एक पुलिसकर्मी शहीद गया है।

दत्तात्रेय होसबाले फिर बने आरएसएस के सरकार्यवाह

नागपुर,17 मार्च 2024(ए)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने रविवार को दत्तात्रेय होसबाले को पुनः सरकार्यवाह निर्वाचित किया। आरएसएस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा कि होसबाले 2021 से सरकार्यवाह हैं और उन्हें 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए पुनः इस पद पर चुना गया है।

एल्विश यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली,17 मार्च 2024 (ए)। सांप के जहर की तस्करी के मामले में मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। नोएडा पुलिस ने इस मामले में उनको पूछताछ के लिए बुलाया था।. उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करके सूरजपुर कोर्ट में पेश किया। इससे पहले जिला अस्पताल में उनकी मेडिकल जांच भी कराई गई.। यूट्यूबर की गिरफ्तारी के बाद उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है,जिसमें वो पुलिसवालों के साथ मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं.।

चुनावी बॉन्ड्स में अब तक का बड़ा खुलासा

पांच साल में 8 मौके ऐसे जब बीजेपी को एक ही दिन में मिला 100 करोड़ से ज्यादा का चंदा...

नई दिल्ली,17 मार्च 2024(ए)। इलेक्टोरल बॉन्ड के मामले में निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आंकड़ों से बड़ा खुलासा हुआ है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से पता चलता है कि अप्रैल 2018 से 2023 के बीच आठ बार ऐसे अवसर आए हैं जब बीजेपी को एक-एक दिन में एक-एक अरब रुपये या इससे भी ज्यादा चंदा चुनावी बॉन्ड्स के जरिए मिला है। एक दिन का तो आंकड़ा दो सौ करोड़ रुपये तक का है। निर्वाचन आयोग को सुप्रीम कोर्ट से 2019 में विभिन्न राजनीतिक दलों के पास से उनको चुनावी बॉन्ड्स से मिले चंदे का वो डाटा भी मिल गया है जो सुप्रीम कोर्ट को आयोग ने बिना लिफाफा खोले जस का तस दे दिया था।

डीएमके,एआईडीएमके,आप और एसपी ने बताए चंदा देने वालों के नाम

अब कल ही मिला पुराना डाटा और भारतीय स्टेट बैंक से मिला डाटा दोनों मिलकर लगातार चौंका रहे हैं। इसमें मुख्य तौर पर बीजेपी, कांग्रेस के अलावा डीएमके,एआईडीएमके और एनसीपी ने बॉन्ड्स के जरिए मिले चुनावी चंदे का खुलासा किया है। निर्वाचन आयोग के साथ वैसे तो सभी राष्ट्रीय, राज्य या क्षेत्र स्तरीय और पंजीकृत लेकिन गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने उनको चुनावी बॉन्ड्स से मिले चंदे की जानकारी साझा की है।

इन दलों में डीएमके, एआईडीएमके, आप और समाजवादी पार्टी ने प्रमुख चंदा देने वालों के नाम बताए हैं। वहीं सीपीआई (एम), सीपीआई, एनपीपी और बसपा ने साफ एलान किया है कि उनको चुनावी बॉन्ड्स के जरिए कोई चंदा नहीं मिला है। सीपीआई (एम) और सीपीआई ने नैतिकता के आधार पर बॉन्ड्स के जरिए चंदा नहीं मिलने की बात कही है।

राजनीतिक दलों ने इस तरह दिया बॉन्ड्स का ब्योरा

चुनावी बॉन्ड्स से चंदा पाने वाले अधिकांश राजनीतिक दलों ने केवल अपने द्वारा भुनाए गए बॉन्ड्स के मूल्य का ब्योरा तारीख वार दिया है। मान्यता प्राप्त 11 राजनीतिक दलों में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम यानी डीएमके, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम यानी एआइएडीएमके, एसडीएफ यानी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट, जनता दल सेक्युलर यानी जेडीएस, जेकेएनसी यानी जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी यानी एमजीपी, आम आदमी पार्टी (आप), समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी, जनता दल (यूनाइटेड) भी शामिल हैं। इसमें दानदाताओं के नाम और उनके द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए दिए गए योगदान की गई राशि भी शामिल है।

अपना घोषणा पत्र सौंपा 519 पार्टियों ने

राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या राज्य और गैर मान्यता प्राप्त पंजीकृत पार्टियों में कुल 519 पार्टियों ने चुनाव आयोग को अपना घोषणा पत्र सौंपा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा उन पार्टियों में शामिल है, जिन्होंने अभी तक अपना घोषणा पत्र दाखिल नहीं किया है। फ्यूचर गेमिंग एंड सर्विसेज और मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा ने चुनावी बॉन्ड्स के जरिए डीएमके को बतौर चंदा बड़ी राशि दी है। फ्यूचर गेमिंग ने ₹509 करोड़ रुपये और मेघा इंजीनियरिंग ने 105 करोड़ रुपये का चंदा डीएमके को दिया है। इस कंपनी ने सरकारी ढांचागत विकास के कई बड़े प्रोजेक्ट किए हैं। इनके अलावा अपोलो ग्रूप, इंडिया सीमेंट्स, रैमको सीमेंट्स और त्रिवेणी शीर्ष दानदाताओं में शामिल हैं।

विवरण सार्वजनिक किया चुनाव आयोग ने

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों द्वारा सीलबंद कवर के तहत जमा किए गए चुनावी बांड विवरण सार्वजनिक कर दिया है। माना जा रहा है कि विवरण 12 अप्रैल, 2019 से पहले की अवधि से संबंधित हैं। इस तारीख के बाद के चुनावी बांड विवरण पिछले सप्ताह चुनाव पैनल द्वारा सार्वजनिक किए गए थे। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि राजनीतिक दलों ने सुप्रीम कोर्ट के 12 अप्रैल, 2019 के अंतरिम आदेश के निर्देशानुसार, सीलबंद कवर में चुनावी बांड का डेटा दाखिल किया था।

आयोग ने वेबसाइट पर अपलोड किया डेटा

आयोग ने अपने बयान में कहा, राजनीतिक दलों से प्राप्त डेटा सीलबंद लिफाफे को खोले बिना सुप्रीम कोर्ट में जमा किया गया था। 15 मार्च, 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में, सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने सीलबंद कवर में एक पेन ड्राइव में डिजिटल रिकॉर्ड के साथ फिजीकल कॉपी वापस कर दी। 'सुप्रीम कोर्ट के 15 मार्च, 2024 के आदेश के अनुसार, वो सीलबंद डाटा भी सार्वजनिक करना था। पीठ ने रजिस्ट्री से उस डाटा की स्कैन नकल सुरक्षित रख मूल आंकड़े की प्रति आयोग को लौटा देने का आदेश दिया। निर्वाचन आयोग ने चुनावी बॉन्ड्स पर सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से डिजीटल रूप में प्राप्त डेटा को आज अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है।

फतेहपुर में सीबीआई की बड़ी कार्यवाही से मचा हड़कम्प

रिश्वत लेते इनकम टैक्स अधिकारी गिरफ्तार

फतेहपुर,17 मार्च 2024(ए)। सीबीआई लखनऊ की एंटी करप्शन ब्रांच ने फतेहपुर में तैनात आयकर अधिकारी नीतीश शुक्ला और कर्मचारी आलोक कुमार को रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोच लिया। टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर अपने साथ लेकर लखनऊ चली गई। यह कार्रवाई फतेहपुर के बागबादशाही खजुहा की रहने वाली रंजीता दुबे की शिकायत पर की गई। दरअसल शिकायर्ता से घूस के तौर 25 हजार रुपये मांगी जा रही थी। वहीं न देने पर गलत रिपोर्ट लगाने की धमकी दी गई थी। शिकायतकर्ता रंजीता शुक्ला ने बताया था कि आयकर अधिकारी नीतीश शुक्ला और

स्टेनों आलोक कुमार द्वारा 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही थी वहीं, रिश्वत न देने पर गलत रिपोर्ट और जुर्माना लगाने की धमकी दी गई थी। बातचीत के दौरान अधिकारी ने घूस की रकम घटाकर 20 हजार रुपये कर दी थी। रंजीता ने इस बात की शिकायत सीबीआई से कर दी थी। जिसके बाद एंटी करप्शन टीम ने दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। दोनों के विरुद्ध आईपीसी की धारा-120 बी और भ्रष्टाचार निरोधक कानून 1988 (वर्ष 2018 में संशोधित) की धारा सात के तहत शुक्रवार को एफआईआर दर्ज की गई। रंजीता ने शिकायत में कहा है कि वह एसबीआई का ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) चलाती हैं और सीएसपी खातों का आईटीआर समय से भरती हैं। आयकर अधिकारी नीतीश शुक्ला की ओर से उन्हें 148 ए का नोटिस भेजा गया, जिसका जवाब उन्होंने समय से दे दिया। बावजूद इसके नीतीश शुक्ला और आयकर कार्यालय के आलोक कुमार द्वारा 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। रिश्वत न देने पर गलत रिपोर्ट और जुर्माना लगाने की धमकी दी जा रही है।

राहुल गांधी फंसे मुश्किल में

6 साल पुराने केस में झारखंड की अदालत ने 27 मार्च को किया तलब

चाईबासा,17 मार्च 2024(ए)। झारखंड में चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए विशेष अदालत ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को 27 मार्च 2024 को सशरीर उपस्थित होने का निर्देश जारी किया है। यह मामला 2018 का है। भाजपा को लेकर राहुल गांधी द्वारा 2018 में आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी, जिसको लेकर चाईबासा में भाजपा के नेता प्रताप कटियार द्वारा चाईबासा कोर्ट में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में वाद दायर किया गया था।यह मामला रांची के एमपी एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया था लेकिन चाईबासा में एमपी एमएलए कोर्ट शुरू होने के बाद इस केस को यहां ट्रांसफर कर दिया गया।

राहुल गांधी के खिलाफ वाद दायर करने वाले भाजपा नेता प्रताप कटियार के अधिवक्ता केशव प्रसाद ने बताया कि इस मामले में अप्रैल 2022 में चाईबासा एमपी एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। जिस पर उनके द्वारा कोई संज्ञान नहीं लिया गया। तब 27 फरवरी 2024 को कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया।

इसके बाद राहुल गांधी के वकील ने कोर्ट में आवेदन देकर सशरीर उपस्थित होने से छूट मांगी, लेकिन अदालत ने 14 मार्च 2024 को उनके आवेदन को खारिज करते हुए 27 मार्च को सशरीर उपस्थित होने का आदेश जारी किया है। ज्ञात हो कि राहुल गांधी ने वर्ष 2018 में कहा था कि भाजपा में कोई भी हत्यारा अध्यक्ष बन सकता है।

राजा की आत्मा है ईव्हीएम ईडी-सीबीआई में

- मोदी एक्टर्स की तरह मुखौटा,
- वे मुझसे डरते हैं; उनकी छाती 56 इंच की नहीं

मुंबई,17 मार्च 2024 (ए)। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन रविवार रात मुंबई में हुआ। यहां के शिवाजी पार्क में हुई सभा में राहुल गांधी ने कहा- राजा की आत्मा ईव्हीएम सीबीआई ईडी इनकम टैक्स में है। इसी के दम पर वो नेताओं को डराकर भाजपा में शामिल करा रहे हैं। कांग्रेस, शिवसेना, एनसीपी-एससीपी के लोग यूं ही चले गए? वे सब डरकर बीजेपी में गए हैं।

नरेंद्र मोदी मुखौटा है। जैसे बॉलीवुड के एक्टर-एक्ट्रेस हैं। उनसे कुछ करने को कहा जाता है, वैसे ही मोदी हैं। उनकी 56 इंच की छाती नहीं है, खोखला व्यक्ति है। मैं सिस्टम को अंदर से जानता हूं, इसलिए वो मुझसे डरते हैं। शिवाजी पार्क में हुई रैली में राहुल के अलावा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, राजद नेता तेजस्वी यादव, शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे, एनसीपी (शरद गुट) प्रमुख शरद पवार समेत सपा, आम आदमी पार्टी सहित इंडिया ब्लॉक की अन्य पार्टियों के नेता मौजूद हैं।इससे पहले राहुल गांधी ने मुंबई में मणि भवन से अगस्त क्रांति मैदान तक न्याय संकल्प पदयात्रा निकाली। इस पदयात्रा में उनके साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा और एक्ट्रेस स्वरा भास्कर भी मौजूद रहीं।

युवक की हत्या का सनसनीखेज दृश्य आया सामने

- खाना खाने से पहले फायरिंग फिर तलवार से वार
- मंजर देखकर कांप गई रूह...

इंदापुर,17 मार्च 2024 (ए)। पुणे जिले के इंदापुर में सनसनीखेज घटना सामने आई है. यहां होटल में खाना खाने आए शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात के बाद आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया। यह पूरी घटना होटल में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना पुणे-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर इंदापुर में एक होटल पर हुई। यहां वाडमुखवाडी आलंदी का रहने वाला युवक अविनाश धनवे होटल पर खाना खाने पहुंचा था। अविनाश के साथ हवेली तालुका के तीन लोग और भी थे, जो इंदापुर शहर के पास बाहरी रिंग रोड पर होटल जगदंबा में रात के

समय खाना खाने पहुंचे थे।

पुलिस के अनुसार, जब अविनाश होटल में बैठे थे, तभी पीछे से चार पहिया वाहन में लगभग पांच से छह अज्ञात लोग वहां पहुंचे। होटल में लगे सीसीटीवी में देखा जा सकता है कि पहले दो बदमाश होटल में घुसे और टेबल पर बैठे अविनाश धनवे पर गोली चला दी। इसके बाद अन्य बदमाशों ने होटल में एंट्री की और युवक पर धारदार हथियारों से हमला करना शुरू कर दिया। गोली मारने के बाद 5 से 6 लोगों ने धारदार हथियार से वार किए. घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। होटल में बैठे अन्य लोग जान बचाकर मौके से भागने लगे। होटल और आसपास भगदड़ मच गई।

गोलीबारी करने के साथ ही चाकू से ताबड़तोड़ हमले से अविनाश धनवे की मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस हत्या की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। घटना के बाद सीसीटीवी की मदद से पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

अरुणाचल और सिक्किम विधानसभा चुनाव की मतगणना की तारीख में बदलाव?

नई दिल्ली ,17 मार्च 2024 (ए)। निर्वाचन आयोग ने अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना की तिथि चार जून से बदलकर दो जून कर दी है। आयोग ने पहले घोषणा की थी कि दोनों विधान सभा चुनावों की मतगणना चार जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना के साथ की जाएगी। आयोग ने कहा कि चूंकि दोनों विधानसभाओं का कार्यकाल दो जून को समाप्त हो रहा है, इसलिए तारीख बदल दी गई है। आयोग ने कहा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों

के लिए कार्यक्रम के संबंध में कोई बदलाव नहीं होगा। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में भी संसदीय चुनावों के साथ विधानसभा चुनाव होने हैं।

सत्येन्द्र जैन की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आज

नई दिल्ली,17 मार्च 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की नियमित जमानत याचिका पर सोमवार को अपना फैसला सुनाएगा।इस साल जनवरी में, न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली पीठ ने जैन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी व प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू की दलीलें सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ में न्यायमूर्ति पंकज मिथल भी शामिल हैं।

पीठ मामले के अन्य आरोपियों अंकुश जैन और वैभव जैन की याचिका पर भी फैसला सुनाएगी।

सत्येन्द्र जैन फिलहाल अंतरिम मेडिकल जमानत पर

बाहर हैं।शीर्ष अदालत ने जैन को पिछले साल मई में छह सप्ताह के लिए अंतरिम राहत दी थी, लेकिन समय-समय पर इसे बढ़ाया जाता रहा।आप नेता ने उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था।

चुनाव लड़ने में मंत्रियों के छूट रहे पसीने

घर में ही घिर गई कांग्रेस! अब क्या करेगी?

हैदराबाद,17 मार्च 2024 (ए)। कर्नाटक में कांग्रेस अजीब मुसीबत में फंस गई है। यहां कांग्रेस के दिग्गज मंत्री से लेकर विधायक तक चुनाव लड़ने से कतरा रहे हैं, जबकि पार्टी आला कमान जिताऊ उम्मीदवारों की तलाश में माथा खपाने में लगा हुआ है।

कर्नाटक में लोकसभा की 28 सीटें हैं, जिनमें से 7 पर उम्मीदवारों की घोषणा किए 10 दिन गुजर चुके हैं, लेकिन 21 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों के नाम तय नहीं हो पा रहे हैं।

संपादकीय

भाजपा के सहयोगियों को मिली खास सुरक्षा

भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने खुले हाथ से सुरक्षा बांटी है। देश के हर हिस्से में बड़ी संख्या में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जिनको वाई या जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली है। अगर नेता भाजपा की सहयोगी पार्टी का है तो उसको सुरक्षा मिलने की संभावन ज्यादा रहती है।भाजपा के प्रत्यक्ष या परोक्ष सहयोगियों को अलग अलग श्रेणियों की सुरक्षा मिली हुई है। भाजपा ने अपने नेताओं को भी सुरक्षा देकर उनका कद बढ़ाया है। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद तो भाजपा ने पश्चिम बंगाल में जीते अपने सभी 75 विधायकों को केंद्रीय सुरक्षा बलों की सुरक्षा मुहैया करा दी थी।इसी तरह महाराष्ट्र में शिव सेना और एनसीपी टूटने के बाद कई नेताओं को सुरक्षा दी गई। हाल में दो नेताओं को मिली सुरक्षा चर्चा का विषय है। भाजपा की सहयोगी और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल को जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। केंद्रीय मंत्रियों को मिलने वाली सुरक्षा उनको पहले से मिली थी लेकिन उसे अपग्रेड किया गया है। बताया जा रहा है कि इस बार लोकसभा चुनाव में वे दो की बजाय तीन सीट मांग रही थीं।दूसरी दिलचस्प बात यह है कि बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती के भतीजे आकाश आनंद को भी वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है।

एजेंसियों के छापों से बॉन्ड वसूली

अभी जब तक यह पता नहीं चलता है कि किस कंपनी ने किस पार्टी को कितना चंदा दिया है तब तक इसे संयोग ही मानें कि चुनावी बॉन्ड खरीदने वाली पांच सबसे बड़ी कंपनियों में से तीन के यहां प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग ने छापा मारा था। इस बात को थोड़ा और विस्तार दें तो एक आंकड़ा यह है कि 12 अप्रैल 2019 से लेकर 24 जनवरी 2024 तक यानी करीब पांच साल में जिन कंपनियों ने चुनावी बॉन्ड खरीदा है उनमें से 30 सबसे बड़ी कंपनियां ऐसी हैं, जिनमें से 14 के यहां किसी न किसी केंद्रीय एजेंसियों का छापा पड़ा है या कार्रवाई शुरू हुई है। यह भी संयोग है कि कुछ कंपनियों को बड़े सरकारी ठेके मिले उससे ठीक पहले या ठीक बाद उन्होंने चुनावी बॉन्ड खरीदे। सो, जब तक सारे आंकड़े नहीं आते हैं और जब तक बॉन्ड के यूनिक कोड से मिलान नहीं हो जाता है कि किसका खरीदा बॉन्ड किसको मिला तब तक इसे संयोग मानें। लेकिन उन आंकड़ों के बगैर यह तो हकीकत है कि सबसे 50 फीसदी से ज्यादा चंदा भाजपा को मिला है तो केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के दायरे में आई कंपनियों का भी ज्यादा चंदा उसी के खाते में गया होगा। बहरहाल, सबसे ज्यादा चुनावी बॉन्ड लॉटरी किंग के नाम से मशहूर सैंटियागो मार्टिक की कंपनी फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज ने खरीदी हैं। कंपनी ने 27 अक्टूबर 2020 से पांच अक्टूबर 2023 तक यानी तीन साल में 1,368 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। इस बीच 2022 में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की थी और धन शोधन के मामले में उसकी 409 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की थी।इसी तरह सबसे ज्यादा बॉन्ड खरीदने वाली दूसरी कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड है,

इसने 966 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। इस कंपनी के ऊपर अक्टूबर 2019 में आयकर विभाग ने छापा मारा था। इसके बारे में एक रिपोर्ट यह भी है कि कंपनी ने महाराष्ट्र में ठाणे-बोरीवली टनल रोड का 14 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा ठेका मिलने से एक महीने पहले 140 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा था। ऐसे ही तीसरी बड़ी कंपनी है वेदांता लिमिटेड। इस ग्रुप की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड, के ऊपर अगस्त 2022 में धन शोधन के एक मामले में ईडी ने छापा मारा था। इस समूह ने कुल मिला कर चार सौ करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। चौथी बड़ी कंपनी हल्दिया एनर्जी लिमिटेड। इस कंपनी ने 377 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा था। इसके खिलाफ मार्च 2020 में सीबीआई ने कार्रवाई की थी। इसी तरह हैदराबाद की कंपनी यशोदा सुपर हॉस्पिटल के ऊपर दिसंबर 2022 में आयकर का छापा पड़ा था।हालांकि कंपनी ने इससे एक साल पहले ही अक्टूबर 2021 में 162 करोड़ रुपए का बॉन्ड खरीदा था। डीएलएफ कॉमर्शियल डेवेलपर्स लिमिटेड के यहां जनवरी 2019 में सीबीआई ने और नवंबर 2023 में ईडी ने छापा मारा था। इस कंपनी ने 130 रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड ने 123 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। इस कंपनी के ऊपर अप्रैल 2022 में ईडी ने कार्रवाई की थी।इस तरह के कई पैटर्न आंकड़ों का विश्लेषण करने पर मिल रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया है कि नवंबर 2022 में एक ही दिन अनेक बड़ी दवा कंपनियों ने चुनावी बॉन्ड खरीदे थे। उनके बॉन्ड किसको गए और एक ही दिन खरीद का क्या राज था, यह भी कुछ समय के बाद ही पता चलेगा।

-हरिशंकर व्यास-

क्यों बदल रहा है चुनावी चंदे का स्वरूप ?

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सख्ती के बाद चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड का हिसाब किताब अपनी वेबसाइट पर अपलोड तो कर दिया लेकिन किया ऐसे कि सांप भी मर गया और लाठी भी नहीं टूटी। मतलब हिसाब भी सार्वजनिक कर दिया लेकिन किस कंपनी ने किस पार्टी को कितना चुनावी चंदा दिया इसको स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने ही बड़ी चालाकी से छिपा लिया।

चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जारी की गयी जानकारी दो हिस्से में है। पहले हिस्से में उन कंपनियों का नाम है जिन्होंने चुनावी बॉड खरीदकर चंदा दिया और दूसरे हिस्से में उन दलों का नाम है जिन्हें चंदा मिला। कितने मूल्य के बॉड किस कंपनी ने खरीदे और कितना पैसा किस दल को मिला यह तो बताया गया है लेकिन यह नहीं बताया गया है कि किस कंपनी ने किस दल को कितना पैसा दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने यहीं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को पकड़ लिया। शुक्रवार को चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने एसबीआई से पूछा कि आपने ऐसी लिस्ट क्यों तैयार की जिससे यह पता ही न चले कि किस कंपनी ने किस दल को कितना चंदा दिया? असल में राजनीतिक दलों में व्याप्त भ्रष्टाचार तो खत्म करने के लिए जो चुनावी बॉड वाला सिस्टम लाया गया था उसे बहुत गोपनीय रखा गया था। इस गोपनीयता को बनाये रखने के लिए ही कंपनियां बॉड खरीदकर किस दल को दे रही हैं इसे जानने का सिर्फ एक जरिया था कि उसके आगे एक कोड नंबर डाल दिया जाना था। अगर कंपनी, बैंक के बॉड और पार्टी के बीच से वह कोड मिस कर दिया जाए तो पता ही नहीं चलेगा कि किस कंपनी ने किस दल को कितना चंदा दिया। आप समग्रता में तो जान सकते हैं कि किस दल को कितना पैसा मिला लेकिन किस कंपनी ने वो पैसा दिया, इसे नहीं जान सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई की इस चालाकी को पकड़ लिया और आदेश दिया कि रविवार शाम तक वो जानकारी चुनाव आयोग को दी जाए और उसी दिन शाम 5 बजे तक उसे वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाए। यह हुआ या नहीं इसे जानने के लिए सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने सोमवार को फिर से एसबीआई के प्रतिनिधि को कोर्ट में बुलाया है। एसबीआई और चुनाव आयोग की हीला हवाली बता रही है कि वो चुनावी चंदे को पूरी तरह से सार्वजनिक नहीं करना चाहते। ऐसा वो किसके दबाव में कर रहे हैं यह तो वो ही जानें लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अगर सख्ती नहीं बरती होती तो उतनी जानकारी भी सामने नहीं आ पाती जितनी अब तक आयी है।

-संजय तिवारी-

भाजपा के दक्कन अभियान की चुनौतियां

भौगोलिक रूप से हिमालय की चढ़ाई मुश्किल मानी जाती है लेकिन राजनीतिक रूप से उत्तर भारत की पार्टियों और शासकों के लिए दक्कन का अभियान हमेशा मुश्किल रहा है। मध्य काल में मुगल शासकों के लिए भी दक्कन की चुनौती हमेशा रही तो अंग्रेज, पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी सबने भारत का अपना अभियान दक्कन से शुरू किया लेकिन किसी का साम्राज्य दक्कन में ज्यादा फला-फूला नहीं।सबसे सफल औपनिवेशिक ताकत यानी ब्रिटिश राज भी गंगा के मैदानी इलाकों में ही समृद्ध हुआ। सतपुड़ा के घने जंगलों और विंध्य पर्वत के दक्षिण में उनको भी नाकों चने चबाने पड़े। आजादी के बाद शुरुआती कुछ दिनों तक कांग्रेस के सामने दक्षिण की चुनौती नहीं रही लेकिन जब चुनौती शुरू हुई तो एक एक करके दक्षिणी राज्यों से कांग्रेस के पांव उखड़ते गए। भारतीय राजनीति में अभी भाजपा केंद्रीय ताकत है लेकिन दक्षिण में कर्नाटक को छोड़ कर कहीं भी उसका मजबूत आधार नहीं बन सका है।कह सकते हैं कि भाजपा ने इससे पहले कभी भी दक्षिण को लेकर बहुत गंभीरता नहीं दिखाई थी और बहुत सुनियोजित अभियान नहीं चलाया था। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की भाजपा ने कभी सोचा ही नहीं कि उनको दक्षिण में या पूर्वोतर भारत में भी अपना विस्तार करना चाहिए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भाजपा ने पहले पूर्वोत्तर की दीवार गिराई। कोई न कोई उपाय करके पूर्वोत्तर के राज्यों में भाजपा का संगठन बनवाया और सरकार भी बनाई। असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और मणिपुर जैसे राज्यों में भाजपा ने लगातार दूसरी बार अपनी सरकार बनाई तो मेघालय और नगालैंड में सहयोगी पार्टियों के साथ सरकार में शामिल हुई। सिक्किम में भी भाजपा की सहयोगी पार्टी सरकार में है। एक मिजोरम को छोड़ कर बाकी सभी राज्यों में भाजपा एक मजबूत राजनीतिक ताकत है। उत्तर और पश्चिम में पहले से भाजपा का मजबूत जमीनी आधार था। सो, पूरब, पश्चिम और उत्तर के बाद भाजपा अब दक्षिण की ओर से चली है। वह दक्षिणायन हो रही है।सवाल है कि क्या दक्षिणावर्त भाजपा अपने अभियान में कामयाब होगी? क्या वह गंगा और नर्मदा के किनारे से निकल दक्कन के विशाल पठार चढ़ पाएगी? सतपुड़ा के घनों जंगलों को पार करना क्या भाजपा के लिए संभव हो पाएगा?

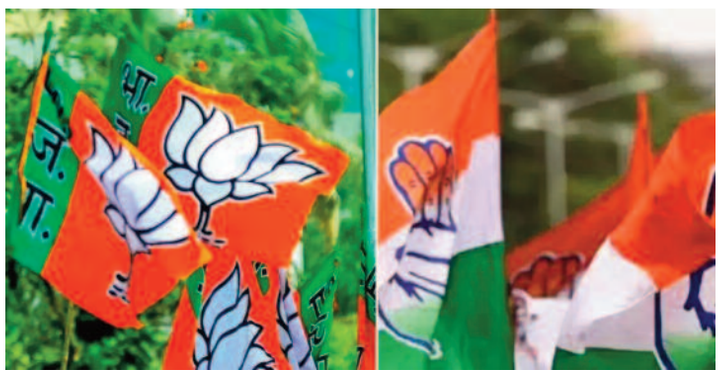

एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या भाजपा इस बार के लोकसभा चुनाव में दक्षिण विजय करके वास्तविक अर्थों में पूरे देश की पार्टी बन पाएगी? इन सवालों के जवाब आसान नहीं हैं क्योंकि भाजपा के लिए दक्षिण की राजनीति भी उलझी हुई है और सामाजिक व सांस्कृतिक स्थितियां भी वैसी नहीं हैं, जैसी उत्तर या पूरब और पश्चिम में उसे मिली हैं। उसे दक्षिण की सामाजिक व सांस्कृतिक स्थितियों के साथ सामंजस्य बनाना है या मौजूदा सामाजिक व सांस्कृतिक विमर्श के बरक्स एक नया विमर्श खड़ा करना है। दक्षिण की सामाजिक व सांस्कृतिक धरातल पर दोनों पैर टिका कर खड़े हुए बगैर भाजपा के लिए राजनीतिक जमीन को उर्वर बनाना आसान नहीं होगा।आमतौर पर भाजपा के दक्कन के अभियान को राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। चूंकि भाजपा ने ऐसे राजनीतिक दांव चले हैं कि उनसे नजर नहीं हटती है और सारी व्याख्या उसी के ईर्द गिर्द घूमने लगती है। भाजपा ने कर्नाटक में, जहां उसकी अपनी जमीन मजबूत है वहां राज्य की एकमात्र प्रादेशिक पार्टी जेडीएस से तालमेल कर लिया। भाजपा लिंगायत तो जेडीएस वोक्कालिगा वोट की राजनीति करती है। इसी तरह आंध्र प्रदेश में, जहां वह एक फीसदी वोट की पार्टी है वहां उसने तेलुगू देशम पार्टी और जन सेना पार्टी से तालमेल कर लिया। तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू कम्मा हैं तो जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण कापू समुदाय से आते हैं। राज्य की दो बड़े जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टियां भाजपा के साथ हैं। तमिलनाडु में भाजपा का तालमेल अन्ना डीएमके से खत्म हो गया है लेकिन वह तमिल मनीला कांग्रेस के साथ साथ टीटीवी दिनाकरण और ओ पनीरसेल्वम से तालमेल कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा दक्षिण के राज्यों में जो राजनीतिक दांव चल रही है वह अपनी जगह है लेकिन उसने राजनीतिक पहल करने से पहले सामाजिक व सांस्कृतिक धरातल पर भी काम शुरू कर दिया था।हो सकता है कि अभी इसका बड़ा राजनीतिक असर नहीं दिख रहा हो लेकिन काशी-तमिल संगम के जो कार्यक्रम शुरू हुए हैं उनका असर आने वाले समय में दिखाई देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ समय पहले ही हिंदुओं की सबसे पवित्र नगरी काशी को तमिल के साथ जोडना शुरू किया था। यह तमिलनाडु में नई जमीन तोडने की तरह था।

ध्यान रहे तमिलनाडु का जनमानस व्यापक रूप से ईवी रामास्वामी नायकर पेरियार और द्रविडियन आंदोलन से बना हुआ है। सनातन विरोध की गहरी जड़ें वहां स्थापित हैं। सामाजिक स्तर पर जातियों की राजनीति उत्तर भारत के मुकाबले बहुत पहले से जमी हुई है।आरक्षण की सीमा 34 साल से 65 फीसदी से ऊपर है। कह सकते हैं कि सनातन विरोध और पिछड़ी जातियों के वर्चस्व की राजनीति स्थापित है। ऊपर से हिंदू विरोध और तमिल की सर्वोच्चता का भाव भी उत्तर भारत की पार्टियों के लिए मुश्किल पैदा करने वाला है। लेकिन याद करें कितना पहले नरेंद्र मोदी ने अमेरिका की एक सभा में तमिल को संस्कृत से भी पुरानी भाषा बता कर उसकी महत्ता का गुणगान किया था। सो, चाहे भाषा की बाधा तोडने का मामला हो या सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श में अपना पक्ष उजागर करना होगा या धर्म के मामले में सनातन बनाम सनातन विरोध का विमर्श बनवाना हो, हर जगह भाजपा ने अपने को खड़ा किया है।भाजपा की सक्रियता से राज्य में सत्तारूढ़ डीएमके नेता अतिशय सजग हो गए और उन्होंने अपनी रक्षा में आक्रामक होकर भाजपा पर हमला शुरू कर दिया। ऐसे भी कह सकते हैं कि वह भाजपा के जाल में फंस गई और उसके तय किए गए एजेंडे पर प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। डीएमको को अन्ना डीएमके से लडना है, जिसका सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक एजेंडा एक जैसा है लेकिन उससे लडने की बजाय डीएमके ने भाजपा के बनाए विमर्श से लडना शुरू कर दिया अन्यथा कोई कारण नहीं था कि उदयनिधि स्टालिन और ए राजा सनातन को बीमारी बता कर उसे खत्म करने का संकल्प जताते।सनातन का एजेंडा मुख्य विपक्षी पार्टी अन्ना डीएमके का नही था, बल्कि हाशिए पर की पार्टी भाजपा का था। लेकिन अपनी गलती से डीएमके ने भाजपा का पैदा किया गया विमर्श केंद्र में ला दिया। अपना पिछला प्रदर्शन दोहराने के दबाव में डीएमके ने भाजपा को दुश्मन नंबर एक बना दिया, जिसका सीधा फायदा भाजपा को होगा। एक प्रतिष्ठित मीडिया समूह के सर्वेक्षण में भाजपा को 20 फीसदी वोट मिलने की संभावना जताई गई है। ध्यान रहे देश के उन हिस्सों में भाजपा को ज्यादा कामयाबी मिली है, जहां लोगों ने उसे आजमाया नहीं है या नरेंद्र मोदी के प्रति जहां जिज्ञासा है।इसी तरह केरल की राजनीति को ध्यान में रख कर भाजपा ने ईसाई समुदाय को अपने साथ जोडने का अभियान शुरू किया। नरेंद्र मोदी के चर्च के दौरे बढ़ गए और वे वेटिकन के पोप का आशीर्वाद भी ले आए। ईसाई और मुस्लिम समुदाय के बीच की फॉल्टलाइन को बढ़ा कर भाजपा लाभ लेने की कोशिश में है। उसको लग रहा है कि हिंदू उसका साथ देंगे और अगर इसाइयों का का एक समूह उसके साथ आया तो एक मजबूत ताकत बन सकती है। ध्यान रहे अभी वह 11 फीसदी वोट की पार्टी है लेकिन यह चुनाव उसके बहुत मजबूत होने का चुनाव हो सकता है।तेलंगाना भी भाजपा की उम्मीदों का प्रदेश है, जहां उसे ओवैसी की पार्टी के रूप में एक रेडिमेड दुश्मन उपलब्ध है। यह नहीं कहा जा सकता है कि इसी चुनाव में भाजपा जीत जाएगी या बड़ी पार्टी हो जाएगी लेकिन यह तय है कि दक्कन के पठार उसके लिए बहुत दुर्गम नहीं रह जाएंगे।

-अजीत द्विवेदी-

बड़ी गजब

कि बड़ी ही गजब की दुनिया है भाई
साहिब, यहाँ हर कोई,
किसी ना किसी मतलब से,
एक-दुसरे से मिलता है
और काम खत्म होने के बाद,
एक पल में ही भूल जाता है।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सुकून की तलाश

जिन्दगी चौराहे पर है खड़ी,
मन में बातें चली है बड़ी बड़ी,
लगी है विचारों के द्वंदो की झड़ी,
फिर लगता है
जिन्दगी क्यूं है ऐसे मायूस पड़ी,
कुछ पल सुहाने से
लगते हैं सिर्फ कुछ घड़ी,
फिर लगता है जिंदगी
इधर उधर है बिखरी पड़ी ,
खट्टे मीठे एहसास है ज़िन्दगी,
ढूंढ रही है हर चौराहे पर सकून,
परंतु ये तो अपने ही हिसाब से हुए
जा रही है अफलातून,
जिन्दगी हर चौराहे पर
ढूंढ रही है सकून,
सुखद एहसास भी है जिन्दगी ,
तो प्रश्नों की खान भी है जिन्दगी ,
बस सकून की तलाश में है जिन्दगी
सिर्फ सकून की तलाश में है जिन्दगी
जय क्यूं सोचता है इतना ज्यादा,
इन खट्टे मीठे पलों का
एहसास ही है जिन्दगी ।

डॉक्टर जय महलवाल
बिलासपुर
हिमाचलप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मौसम बदला भोले

बदल रहा है मौसम भोले,
अब आओ तुम जल्दी-से,
मस्तक पर चंदन लगवा लो,
पांव पखारूं गंगा-से।
बदल रहा है ...
है ये फागुन मस्त महिना,
रंगों की बरसातें होंगी,
भोले तेरे आ जाने से,
रुत भी बरसाने-सी होगी।
बदल रहा है ....
चंपा,मोगर और चमेली,
मस्त पवन के संग महकेंगी,
देख कर भोले की चितवन को,
कोयल भी मनभर चहकेंगी।
बदल रहा है ....
ढोल और ताशों की धुन पर,
भोले भी मन को मोहेंगे,
एक कदम होगा धरती पर,
दूसरे से नभ नापेंगे।
बदल रहा है ...
धरा के सारे जन-जीवन में,
मुस्कानों के रंग बिखरेंगे,
एक भोले के आने भर-से,
कदम-कदम हर जन थिरकेंगे।
बदल रहा है ...

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर,मध्यप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

बागों में जब भी आती है बसंत

सरस्वती की वीना से
निकली झंकार
बार बार कहती है
सुन सुन सुन सुन
पानी का बुलबुला है यह जीवन
भक्ति के मार्ग को
तू चुन चुन चुन चुन
कैसे होगा हम सब का उद्धार
जब भूल गए सब संस्कार
दौलत के नशे में
भूल गए अपनों को
याद नहीं रखे दूसरों के उपकार
बागों में जब भी आती है बसंत
दूर से नज़र आते हैं
पीली सरसों के फूल
रस से भर जाती है
पेड़ों की डालियां
मौसम प्रकृति भी
सब होते हैं अनुकूल
पंछी भी गाने लगते हैं
सुंदर तराने चूमते हर कली को
मदहोश भंवरे दीवाने
पेड़ों पर फूलों की जैसे
आ जाती है बहार
भीनी भीनी खुशबू से
मन लगता है झूमने गाने
कोयल कूकती है बसंत के बहाने
भँवरे बन जाते है कली के दीवाने
मौसम हो जाता है ऐसा खुशगुबार
हर कोई लग जाता है
खुसी से गुनगुनाने

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
बिलासपुर
हिमाचलप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

खुशियों की होली

रंग प्रीत की सज गई आज।
है खुशियों की होली।।
उड़े गगन में तितली जैसे,
मंजुल दिखे नजारे।
रंग देख पुलकित हैं सारे।
करते हँसी ठिठोली।।
पायल मेरी शोर मचाती,
नयना काजल आँजे,
राह ताकती तेरी साजन,
यौवन तुझसे साजे,
हिय तरसे बातें सुनने को,
मधुरस तेरी बोली।।
सतरंगी नभ छटा बिखेरी,
चली आज पिचकारी।
रक्तिम से दिखते कपोल सब,
हो कारी या गोरी।।
प्रीत रगों में घुला आज जस,
दूध भांग की गोली।।
व्याकुलता मन में छाई है,
अगन लगी है काया,
करो स्वप्न साकार आज तुम,
अवसर है यह आया।।
आओ साजन! रंग लगाओ,
भीगे मेरी चोली।।
है खुशियों की होली।
है खुशियों की होली।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

एक देश एक चुनाव प्रणाली स्वागत योग्य

भारत में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए वन नेशन वन इलेक्शन यानी एक राष्ट्र, एक चुनाव की संभावना पर विचार करने के लिए बनी उच्चस्तरीय समिति ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली इस समिति का कहना है कि सभी पक्षों, जानकारों और शोधकर्ताओं से बातचीत के बाद ये रिपोर्ट तैयार की गई है. रिपोर्ट में आने वाले वक्त में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ-साथ नगरपालिकाओं और पंचायत चुनाव करवाने के मुद्दे से जुड़ी सिफारिशें दी गई हैं. 191 दिनों में तैयार इस 18,626 पन्नों की रिपोर्ट में कहा गया है कि 47 राजनीतिक दलों ने अपने विचार समिति के साथ साझा किए थे जिनमें से 32 राजनीतिक दल वन नेशन वन इलेक्शन के समर्थन में थे रिपोर्ट में कहा गया है, केवल 15 राजनीतिक दलों को छोड़कर शेष 32 दलों ने न केवल साथ-साथ चुनाव प्रणाली का समर्थन किया बल्कि सीमित संसाधनों की बचत, सामाजिक तालमेल बनाए रखने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए ये विकल्प अपनाने की ज़ोरदार वकालत की।रिपोर्ट में कहा गया है कि वन नेशन वन इलेक्शन काएक देश एक चुनाव प्रणाली स्वागत योग्य विरोध करने वालों की दलील है कि ÷इसे अपनाना संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन होगा. ये अलोकतांत्रिक, संघीय ढांचे के विपरीत, क्षेत्रीय दलों को अलग-अलग करने वाला और राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व बढ़ाने वाला होगा. रिपोर्ट के अनुसार इसका विरोध करने वालों का कहना है कि ये व्यवस्था राष्ट्रपति शासन की ओर ले जाएगी. आजादी के बाद पहले दो दशकों तक साथ में चुनाव न कराने का नकारात्मक असर अर्थ व्यवस्था, राजनीति और समाज पर पड़ा है. पहले हर दस साल में दो चुनाव होते थे, अब हर साल कई चुनाव होने लगे हैं. इसलिए सरकार को साथ-साथ चुनाव के चक्र को बहाल करने के लिए क़ानूनी रूप से तंत्र बनाना करना चाहिए. चुनाव दो चरणों में कराए जाएं. पहले चरण में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव कराए जाएं. दूसरे चरण में नगरपालिकाओं और पंचायतों के चुनाव हों. इन्हें पहले चरण के चुनावों के साथ इस तरह कोऑर्डिनेट किया जाए कि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव के सौ दिनों के भीतर इन्हें पूरा किया जाए. इसके लिए एक मतदाता सूची और एक मतदाता फोटो पहचान पत्र की व्यवस्था की जाए. इसके लिए संविधान में ज़रूरी संशोधन किए जाएं. इसे निर्वाचन आयोग की सलाह से तैयार किया जाए.समिति की सिफ़ारिश के अनुसार त्रिशंकु सदन या अविश्वास प्रस्ताव की स्थिति में नए सदन के गठन के लिए फिर से चुनाव कराए जा सकते हैं. इस स्थिति में नए लोकसभा (या विधानसभा) का कार्यकाल, पहले की लोकसभा (या विधानसभा) की बाकी बची अवधि के लिए ही होगा. इसके बाद सदन को भंग माना जाएगा. इन चुनावों को मध्यावधि चुनाव कहा जाएगा, वहीं पांच साल के कार्यकाल के ख़त्म होने के बाद होने वाले चुनावों को आम चुनाव कहा जाएगा। यह तो हुई रिपोर्ट की परिचर्चा अब आइए इसको विस्तार से समझते हैं।

लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में एक देश एक चुनाव की क्या आवश्यकता पड़ी क्यों इस विषय पर चर्चा हो रही है क्यों एक देश एक चुनाव विषय के पक्ष और विपक्ष में यह ज्वलंत मुद्दा बना हुआ है आइए विस्तार से चर्चा करते हैं। पूरे भारत वर्ष के सभी राज्यों में विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ कराये जाने के मसले पर लंबे समय से बहस चल रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस विचार का समर्थन कर इसे आगे बढ़ाया है। आपको बता दें कि इस मसले पर चुनाव आयोग, नीति आयोग, विधि आयोग और संविधान समीक्षा आयोग विचार कर चुके हैं। अभी हाल ही में विधि आयोग ने देश में एक साथ चुनाव कराये जाने के मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक दलों, क्षेत्रीय पार्टियों और प्रशासनिक अधिकारियों की राय जानने के लिये तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था। इस कॉन्फ्रेंस में कुछ राजनीतिक दलों ने इस विचार से सहमति जताई, जबकि ज्यादातर राजनीतिक दलों ने इसका विरोध किया। उनका कहना है कि यह विचार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। जाहिर है कि जब तक इस विचार पर आम राय नहीं बनती तब तक इसे धरातल पर उतारना संभव नहीं होगा।

-डॉ. राकेश वशिष्ठ-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

कांग्रेस के पूर्व विधायक विनय व मेयर रामशरण का निलंबन समाप्त

बृहस्पत की वापसी पर संशय बरकार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा चुनाव 2024 के ठीक पहले कांग्रेस के निलंबित पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल की वापसी हो गई है। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के अनुमोदन के बाद विनय जायसवाल का निलंबन समाप्त कर दिया गया है। साथ ही बिलासपुर मेयर रामशरण यादव का निलंबन समाप्त हो गया है। पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह की वापसी पर संशय अभी भी बरकार है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज के आदेशानुसार कांग्रेस महामंत्री (संगठन) मलकीत सिंह गैदू ने इस आशय का आदेश जारी किया है। बता दें विधानसभा चुनाव 2023 में मनेंद्रगढ़ से पूर्व विधायक विनय जायसवाल, रामानुजगंज के पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह, सामरी से विधायक रहे चिंतामणि महाराज और प्रतापपुर से विधायक रहे डॉ. प्रेमसाय सिंह का टिकट काट दिया गया था। इनमें चिंतामणि महाराज ने बगावत करते हुए भाजपा प्रवेश कर लिया। नाराज विनय जायसवाल और बृहस्पति सिंह ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। 12 दिसंबर 2023 को कांग्रेस ने विनय जायसवाल और बृहस्पत सिंह को छह सालों के लिए पार्टी से निष्काषित कर दिया था। कांग्रेस महामंत्री ने पूर्व विधायक विनय जायसवाल और मेयर रामशरण का निलंबन समाप्त करने पत्र जारी किया है। बताया जा रहा है कि करीब 25 दिन पहले बृहस्पत सिंह, विनय जायसवाल ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज से उनके घर जाकर मुलाकात की थी। इस दौरान पूर्व विधायकों पर हुई कार्रवाई को वापस लेने को लेकर भी चर्चा हुई। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट से मंथन कर जल्द ही इस पर फैसला लेने का आश्वासन मिला था। रामानुजगंज विधानसभा के पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह ने पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उनपर टिकट कटवाने और भाजपा से सांठगांठ का आरोप लगा दिया था। बृहपत सिंह के निलंबन वापसी का भी प्रस्ताव भेजा गया था। वे रामानुजगंज विधानसभा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि उनकी वापसी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों पर होगी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एसपी ने रविवार को को-ऑर्डिनेशन सेंटर में पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना-चौकी प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने आचार संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन को पालन कराने,आगामी होली त्यौहार के पूर्व पुलिस टीम को आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने वाले व्यक्तियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर बाउण्ड ओवर की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। ताकि होली व चुनाव में शांति कायम रहे। एसपी ने थाना-चौकी प्रभारियों को कहा कि लंबित अपराध, लंबित शिकायत गुम इंसान, मर्ग जांच, शिकायत जांच की समीक्षा के साथ-साथ लंबित मामलों के निराकरण करें। साथ ही टीम गठित कर थाने में अधिक से अधिक समंस-वारण्ट तामिली करने के भी निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने थानों से बीसी रोल एवं एसएस रोल संधारण की जानकारी ली और उन्हें आगामी चुनाव एवं त्यौहार के मद्देनजर थाना क्षेत्र में आने-जाने वाले मुसाफिरों की प्रतिदिन की सूची तैयार करने और पुलिस टीम द्वारा संदेहियों के फिंगरप्रिन्ट दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान समस्त थाना-चौकी प्रभारियों से नये गुंडा बदमाश एवं निगरानी बदमाश खोलने की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। साथ ही जो गुण्डा निगरानी बदमाश समय के साथ आपराधिक कृत्य से दूर हो चुके हैं ऐसे व्यक्तियों कों माफी बदमाश की सूची में दर्ज करने हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। गुण्डा बदमाश एवं निगरानी बदमाशों की सूची को अद्यतन कर जिलाबदर एवं एनएसए की कार्रवाई किए जाने के लिए निर्देशित किया गया।

यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 49 लोगों से वसूले गए 31900 रुपए

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान के तहत यातायात के नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रतिदिन अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते दिन यातायात पुलिस टीम द्वारा मोबाइल पर बात कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों, दो पहिया वाहन मे तीन सवारी वाहन चलाने वाले वाहन चालकों तथा अन्य विभिन्न धाराओं के तहत् भी सख्ती से कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस द्वारा अभियान के तहत दो पहिया वाहन में तीन सवारी वाहन चालकों के विरुद्ध कुल 8 प्रकरण दर्ज कर 4000 समन शुल्क वसूल किया गया, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करने वाले कुल 21 वाहन चालकों पर कार्रवाई कर कुल 6300 रुपए समन शुल्क वसूल किया गया, अवैध पार्किंग के विरूद्ध 1 प्रकरण दर्ज कर 300 समन शुल्क वसूल किया गया तथा अन्य विभिन्न धाराओं के तहत् कार्यवाही करते हुए कुल 19 प्रकरण दर्ज कर कुल 21300 रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है। यातायात सुरक्षा अभियान के तहत् यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले कुल 49 वाहन चालकों पर 31900 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई है।

95 लाख रुपए होगी प्रत्याशी के खर्च की सीमा

खर्च की देनी होगी जानकारी

लोकसभा सरगुजा में पुरूष के उपेक्षा महिला मतदाताओं की संख्या 8813 अधिक

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लग गई है। 16 मार्च की स्थिति में लोकसभा क्षेत्र सरगुजा में मतदाताओं की कुल संख्या 18,12,901 है, जिसमें 9,02,027 पुरुष, 9,10,840 महिला तथा 34 अन्य मतदाता शामिल हैं। लोकसभा क्षेत्र में कुल 8 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिसमें मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 2,197 है। पूरे लोकसभा क्षेत्र में 85 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के 6968, दिव्यांग 22659 तथा 1525 सेवा मतदाता हैं। वहीं बात करें महिला मतदाताओं की तो पुरूष मतदाताओं के तुलना में 8813 अधिक हैं। उक्त जानकारी रविवार को प्रेस वर्ता आयोजित कर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोस्कर संदीपान ने दी। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान प्रत्याशियों द्वारा किए जाने वाले निर्वाचन व्यय की सीमा 95 लाख रुपए होगी। निर्वाचन हेतु अभ्यर्थी को एक पृथक बैंक अकाउंट नामांकन दाखिल करने के कम से कम 1 दिन पूर्व खोलना होगा एवं नामांकन पत्र दाखिल करते समय अभ्यर्थी को इस पृथक बैंक अकाउंट का उल्लेख करना होगा। चुनाव लडऩे वाले सामान्य अभ्यर्थियों के लिए जमा की जाने वाली निक्षेप राशि 25 हजार रूपए तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 12,500 रूपए निर्धारित है। नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करते समय अभ्यर्थी के साथ केवल चार व्यक्ति रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। चुनाव की घोषणा के दिन से परिणाम की घोषणा तक रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक प्रचार-प्रसार बंद रहेगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में तीन चरणों में चुनाव होना है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार लोकसभा क्षेत्र सरगुजा में निर्वाचन हेतु अधिसूचना का प्रकाशन 12 अप्रैल, नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल, नामांकन की स्क्रूटनी 20 अप्रैल, नाम वापसी की अंतिम तिथि 22 अप्रैल, मतदान की तिथि 7 मई एवं मतगणना की तिथि 4 जून निर्धारित है। लोकसभा क्षेत्र सरगुजा के लिए निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर सरगुजा होंगे तथा इसके साथ लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले 8 विधानसभा क्षेत्रों हेतु भी सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाए गए हैं। नाम निर्देशन पत्र नियत तिथियों में निर्धारित समय पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 1 सरगुजा हेतु नियत कक्ष न्यायालय कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर सरगुजा में रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।

मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति से लेनी होगी अनुमति

इस दौरान बताया गया कि संसदीय क्षेत्र स्तर और जिला स्तर पर मीडिया अधिप्रमाणन और निगरानी समिति का गठन किया गया है। जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति द्वारा विज्ञापन अधिप्रमाणन एवं निगरानी का कार्य किया जावेगा। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी माध्यम जैसे टीवी चैनल, केबल टीवी चैनल, रेडियो (निजी एफएम रेडियो सहित), ई-समाचार पत्र, बल्क एस.एम.एस. वॉइस मैसेज, सार्वजनिक स्थलों पर दृश्य-श्रव्य माध्यम, सोशल मीडिया, वेब पेज पर राजनीतिक विज्ञापन प्रसारण से पूर्व कमेटी से राजनीतिक दल एवं अभ्यर्थी अनुमति लेंगे। मीडिया मॉनिटरिंग सेल द्वारा भ्रामक समाचार, फेक न्यूज की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। पेड न्यूज के इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया में प्रसारण पर एमसीएमसी कमेटी द्वारा कार्रवाई की जाएगी। वहीं निर्वाचन संबंधी किसी विज्ञापन, पोस्टर, पर्चे या किसी अन्य अभिलेख पर उसके प्रकाशक एवं प्रिंटर का नाम, पता एवं मुद्रित संख्या छपा होना आवश्यक है।

मतदाताओं की कुल संख्या 18,12,901

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 16 मार्च की स्थिति में लोकसभा क्षेत्र सरगुजा में मतदाताओं की कुल संख्या 18,12,901 है, जिसमें 9,02,027 पुरुष, 9,10,840 महिला तथा 34 अन्य मतदाता शामिल हैं। लोकसभा क्षेत्र में कुल 8 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिसमें मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 2,197 है। पूरे लोकसभा क्षेत्र में 85 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के 6968, दिव्यांग 22659 तथा 1525 सेवा मतदाता हैं। वहीं बात करें महिला मतदाताओं की तो पुरूष मतदाताओं के तुलना में 8813 अधिक हैं।

उपलब्ध ईवीएम एवं वीवीपीएटी की जानकारी

इस दौरान बताया गया कि निर्वाचन हेतु प्रयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 01 सरगुजा में निर्वाचन हेतु कुल 3683 बीयू, 2686 सीयू एवं 3171 वीवीपीएटी उपलब्ध है।

चुनाव संपन्न कराने लगाई जाएगी 15 कंपनियों की बल

एसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लगते ही धारा 144 लागू हो गया है। एक साथ 5 से अधिक व्यक्ति इकट्ठा नहीं हो सकते हैं। वहीं चुनाव संपन्न कराने के लिए 15 कंपनियों के बल की मांग की गई है। विधानसभा चुनाव के लिए भी इतनी ही कंपनियों की मांग की गई थी। वहीं सरगुजा लोकसभा क्षेत्र में 37 क्रिटिकल मतदान केन्द्र हैं। वहीं आचार संहिता को पालन करने के लिए फ्लाइंग स्क्वार्ड टीम गठित कर दिया गया है।

श्रीरामलला दर्शन यात्रा समिति में शामिल हुए अनिल जायसवाल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार की श्री रामलला दर्शन योजना के तहत जिला स्तर पर यात्रा समिति का गठन किया गया है। इस समिति में भाजपा नेता व जिला पंचायत के पूर्व सदस्य अनिल जायसवाल को नामांकित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग के आदेश के परिपालन में कलेक्टर विलास भोस्कर ने श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) यात्रा समिति का गठन कर दिया है. जिला स्तरीय यात्रा समिति में कलेक्टर अध्यक्ष व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पदेन सचिव नियुक्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक सरगुजा विजय अग्रवाल, उपसंचालक समाज कल्याण डीके राय, मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डा आरएन गुप्ता, एसडीएम अंबिकापुर फागेश सिन्हा को सदस्य तथा जिला पंचायत के पूर्व सदस्य अनिल जायसवाल को नामांकित सदस्य नियुक्त किया गया है। समिति का गठन कलेक्टर सरगुजा की ओर से किया गया है।

छत्तीसगढ़ कार्फबाल मिक्स टीम के लिए सरगुजा के 6 खिलाड़ियों का चयन

-संवाददाता-
अंबिकापुर 17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिला कार्फबाल संघ से छत्तीसगढ़ मिक्स कार्फबाल टीम के लिए 6 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। 19वीं सब जूनियर व 35वीं सीनियर राष्ट्रीय कार्फबाल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता 17 से 20 मार्च 2024 तक आगरा, उत्तर प्रदेश में आयोजन चल रहा। इस प्रतियोगिता में सरगुजा से सब जूनियर छत्तीसगढ़ कार्फबाल टीम में चंचल निषाद,ओम प्रकाश यादव व अमन ठाकुर और सीनियर छत्तीसगढ़ मिक्स कार्फबाल टीम में साक्षी तिर्की, रागनी अगरिया और अभिषेक शर्मा का चयन किया गया है। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा जिला में लम्बे समय से कार्फबाल चल रहा है। कार्फबाल खेल मिक्स खेल है इसमें बालक-बालिका का मिक्स टीम बनाया जाता है सरगुजा जिला में कार्फबाल खेल का राष्ट्रीय आयोजन भी किया जा चुका है साथ ही साथ स्थानीय कई खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई मेडल जीत चुके हैं। वहीं रागनी अगरिया, साक्षी व अभिषेक पूर्व राष्ट्रीय प्रतियोगिता के मेडलिस्ट खिलाड़ी हैं।

बच्चे का बाल कटवाने आए युवक को ट्राला ने कुचला,

भीड़ ने ड्राइवर को पीटा,सडक़ पर शव रखकर चक्काजाम

-संवाददाता-
सूरजपुर,17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के करंजी चौकी निवासी एक युवक अपने बच्चे का बाल कटवाने दतिमा चौक पहुंचा था। वह सलून के बाहर खड़ा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे कोयला लोड ट्राला ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। सिर कुचल जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद भागने की कोशिश कर रहे ट्राला ड्राइवर की मौके पर मौजूद भीड़ ने जमकर पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे छुड़ाया और हिरासत में ले लिया। इधर हादसे के बाद युवक के परिजन व ग्रामीणों ने सडक़ पर शव रखकर करीब 2 घंटे तक चक्काजाम किया। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी ने मामले को शांत कराया।

करंजी चौकी अंतर्गत ग्राम सुदामानगर, सोनपुर निवासी हुकुम साय देवांगन पिता शिवचरण 38 वर्ष, दतिमा मोड़ स्थित जिंदल राइस मिल लक्ष्मणपुर में चौकीदार के रूप में कार्यरत था। रविवार की दोपहर वह अपने बच्चे का बाल कटवारी पत्नी के साथ दतिमा मोड़ चौक पर पहुंचा था। बेटे को उसने सलून के भीतर छोड़ दिया और खुद बाहर खड़ा था। इसी दौरान करंजी रेलवे साइडिंग से कोयला लोड कर महान-3 खदान की ओर जा रहे ट्राला ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। सिर पर ट्राले का पहिया चढ़ जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भागने के चक्कर में ट्राला के ड्राइवर पुरोहित सिंह ने वहीं खड़े एक बाइक व साइकिलों पर भी वाहन चढ़ा दिया। इससे बाइक भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। ट्राला की टक्कर से सलून का एस्बेस्टस शीट भी टूट गया, इससे भीतर बाल कटाने बैठे लोग भी बाल-बाल बच गए।

ड्राइवर की हुई जमकर धुनाई

हादसे के बाद ट्राला लेकर भाग रहे ड्राइवर को मौके पर मौजूद लोगों ने रोक लिया। इसके बाद उसे वाहन से नीचे उतारा और उसकी जमकर पिटाई शुरु कर दी गई सूचना मिलते ही करंजी चौकी प्रभारी अरुण गुप्ता दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और भीड़ से ड्राइवर को छुड़ाकर हिरासत में लिया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

सडक़ पर शव रखकर चक्काजाम

चौकी प्रभारी की सूचना पर सूरजपुर सीएसपी एसएस पैंकरा व नायब तहसीलदार रामविलास मानिकपुरी मौके पर पहुंचे। इधर मृतक के परिजन व लोगों ने शव सडक़ पर रखकर चक्काजाम कर दिया तथा मुआवजे की मांग करने लगे। नायब तहसीलदार ने उन्हें तात्कालिक सहायता राशि के रूप में 25 हजार रुपए देने का आश्वासन दिया, इसके बाद मामला शांत हुआ।

शॉट सर्किट से जले महिला की हुई मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।.कल्याणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम देवनगर में शनिवार की रात एक महिला हिटर पर गर्म पानी कर रही थी। तभी हिटर से शॉट सर्किट हो गया और घर व दुकान में आग पकड़ ली। इस दौरान महिला भी आग की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से जख्मी हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए सूरजपुर अस्पताल से मिशन अस्पताल अंबिकापुर लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार नैमून नीसा पति समसुद्दीन अंसारी उम्र 45 वर्ष सूरजपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम देवनगर की रहने वाली थी। वह शनिवार की रात को हिटर से गर्म पानी कर रही थी। तभी हिटर शॉट सर्किट हो गया और घर व दुकान में आग लग गई। इस दौरान महिला भी आग से गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे इलाज के लिए सूरजपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों द्वारा रेफर करने पर परिजन उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे। यहां जांच के दौरान देर रात को चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्थानांतरण के बाद छुट्टी के दिन विश्वविद्यालय पहुंचे कुलसचिव

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

राज्य शासन द्वारा विश्वविद्यालय के कुल सचिव विनोद एक्का का स्थानांतरण रायपुर कर दिए जाने के बाद भी रविवार को अवकाश के दिन भी कुलसचिव विश्वविद्यालय पहुंचे। विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक सिंह ने कुल सचिव पर अवकाश के दिन विश्वविद्यालय पहुंचकर फाइलों के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। 15 मार्च को राज्य शासन द्वारा संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुल सचिव विनोद एक्का स्थानांतरण आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय रायपुर कर दिया गया है। वहीं इनके स्थान पर सहायक प्राध्यापक सामाज शास्त्र शासकीय नवीन महाविद्यालय जनकपुर मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी को प्रभारी कुलसचिव प्रतिनियुक्ति दी गई है। स्थानांतरण के बाद भी रविवार को अवकाश के दिन कुलसचिव विनोद एक्का विश्वविद्यालय पहुंचे। अपने कक्ष में फाइलों को खंगाला। कुछ कर्मचारियों ने स्थानांतरित कुलसचिव के कार्यालय आकर फाइलों को देखने व उनमें हेर फेर करने का प्रयास करने की जानकारी कुलपति को दिए जाने के बाद कुलपति भी विश्वविद्यालय पहुंच गए। इस दौरान विश्वविद्यालय में छुट्टी के दिन भी गहमागहमी बनी रही। वहीं कुलसचिव विनोद एक्का ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखा है। उन्होंने मार्गदर्शन मांगा है कि मेरा स्थानांतरण राज्य शासन द्वारा संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय से आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय भवन रायपुर कर दिया गया है। यह आदेश 15 मार्च को जारी किया गया है। मुझे व्हाट्सप के माध्यम से 16 मार्च की शाम करीब 4 बजे मिला है। इस दौरान आचार संहिता लागू हो गई थी। वर्तमान में विश्वविद्यालय की परीक्षा चल रही है। कुल सचिव ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखकर कार्यमुक्त के संबध में मार्गदर्शन मांगा है। कुल सचिव विनोद एक्का ने बताया कि मुझे स्थानांतरण की जानकारी 16 मार्च की शाम करीब 4 बजे मिली है। मैनें रात 10 बजे के आस पास प्रो. आनंद प्रसाद से बोला की कुलपति सर से पूछ लिजिए की मेरा स्थानंतरण हो गया है। आचार संहिता भी लग गया है। क्या करना है। इस उन्होंने पता कर बताया कि जो आपके जगह पर स्थानांतरण किए गए हैं वह रविवार को पदभार ग्रहण करने आ रहे हैं। इस लिए मैं रविवार को उन्हें अपना कार्यभार देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय पहुंचा था और फाइलों का लिस्ट तैयार कर रहा था। मेरे पास ऐसी कोई फाइल नहीं है जिसे मैं छुपाऊं या उसे घर लाऊं।

कुल सचिव विनोद एक्का का स्थानांतरण हो गया है। मुझे जानकारी मिली की रविवार को अवकाश के दिन कुल सचिव विश्वविद्यालय पहुंचे हैं और फाइलों के साथ छेड़छाड़ किया जा रहा है। सूचना पर मैं विश्वविद्यालय पहुंचा। छुट्टी के दिन आने का कोई मतलब नहीं है।

अशोक सिंह, कुलपति, विश्वविद्यालय संत गहिरा गुरु

सार-समाचार

सत्येन्द्र जैन की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आज

नई दिल्ली,17 मार्च 2024। सुप्रीम कोर्ट कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की नियमित जमानत याचिका पर सोमवार को अपना फैसला सुनाएगा। इस साल जनवरी में, न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली पीठ ने जैन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी व प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू की दलीलें सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ में न्यायमूर्ति पंकज मिथल भी शामिल हैं। पीठ मामले के अन्य आरोपियों अंकुश जैन और वैभव जैन की याचिका पर भी फैसला सुनाएगी। सत्येन्द्र जैन फिलहाल अंतरिम मेडिकल जमानत पर बाहर हैं। शीर्ष अदालत ने जैन को पिछले साल मई में छह सप्ताह के लिए अंतरिम राहत दी थी, लेकिन समय-समय पर इसे बढ़ाया जाता रहा। आप नेता ने उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था।

जो कायर हैं, वही नेता कांग्रेस छोड़ कर जा रहे हैं : दिग्विजय

इंदौर,17 मार्च 2024। फूल छाप कांग्रेसियों ने पार्टी बदली है, जो कायर थे वो ही जा रहे हैं। जो बहादुर हैं वो डटे हुए हैं। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का। वे गत दिवस इंदौर पहुंचे और पत्रकारों से चर्चा करते हुए इलेक्टोरल बांड पर भी मोदी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि चाल-चरित्र और चेहरे की बात करने वाली भाजपा सट्टेबाजी करने वाली गेमिंग कंपनी से 1300 करोड़ रुपये का चंदा लेती है। मोदीजी कालाधन वापस लोने की बात कहते थे, अब शैल कंपनियों से चंदा ले रहे हैं। दिग्विजय सिंह पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रहे चंद्रप्रभाष शेखर के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए इंदौर पहुंचे थे। बाद में उन्होंने रेसीडेंसी कोठी पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया। पंकज संघवी के कांग्रेस छोडने पर उन्होंने कहा कि संघवी भाजपा में जाने से पहले अलग से जीतू पटवारी के कान में फूंक कर गए हैं। पता करिए वो क्या बोलकर गए हैं? ईवीएम को उन्होंने धोखा करार देते हुए कहा कि भारतीय नागरिकों के वोट चोरी कर रही है। हम इसके खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। सीएए लागू करने के सवाल पर केंद्र सरकार को सिंह ने कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पहले से देश में नागरिकता कानून है। उस कानून में नियामों का हो पालन करता है उसे नागरिकता मिल जाती है। सिंह ने दावा किया कि 18 मार्च की बैठक के बाद टिकट के नाम तय हो जाएंगे। खुद चुनाव लडने के सवाल पर कहा कि मैं पार्टी का सड़क पर लडने वाला कार्यकर्ता हूँ, जो पार्टी कहेगी वो करूंगा।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख का इजराइल से राफा पर जमीनी हमला रोकने का आग्रह

जिनेवा ,17 मार्च 2024। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख ने इजराइल से गाजा के सबसे दक्षिणी शहर राफा पर जमीनी हमले को रोकने का आग्रह किया है। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडनोम घेब्येयियस ने एक्स पर लिखा, मैं राफा पर जमीनी हमले के लिए आगे बढने की इजराइली योजना के बारे में गंभीर रूप से चिंतित हूं।

उन्होंने कहा,घनी आबादी वाले इस इलाके में हमले से लोगों की परेशानियां बढ़ेंगी। इलाके में स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से ही चरमरा गई हैं।इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने राफा पर हमले की मंजूरी दे दी। राफा में लगभग 1.5 मिलियन फिलिस्तीनी शरणार्थी रहते हैं। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी ने इज़राइल से मानवता के नाम पर हिंसा छोडने और शांति की दिशा में काम करने की अपील की है।

गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी मृतकों की संख्या बढ़कर 31,553 हुई : मंत्रालय

गाजा ,17 मार्च 2024। गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 31,553 हो गई है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक प्रेस बयान यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली सेना ने हमला कर 63 फिलिस्तीनियों को मार डाला। वहीं 112 अन्य हुए हैं। इजरायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 31,553 हो गई और 73,546 लोग घायल हुए हैं।फिलिस्तीनी विदेश और प्रवासी मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक बाध्यकारी प्रस्ताव के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय मानवीय हस्तक्षेप का आग्रह किया है, ताकि गाजा पट्टी पर इजरायल को हमलों से रोका जा सके।

डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी,राष्ट्रपति नहीं चुने जाने पर देश में होगा खूनखराबा

वाशिंगटन,17 मार्च 2024। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर वह चुनाव में निर्वाचित नहीं हुए तो देश में खूनखराबा' होगा। ओहियो के पास एक रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अब, अगर मैं निर्वाचित नहीं हुआ तो खून-खराबा होने वाला है। उन्होंने कहा कि यह सबसे कम होगा कि खून-खराबा हो। स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हैं कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प की इस टिप्पणी का वास्तव में क्या मतलब है। क्योंकि वो रैली के दौरान ऑटोमोबाइल उद्योग के बारे में बात कर रहे थे। भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर वह दोबारा चुने गए तो चीन अमेरिका से आयातित कोई भी वाहन नहीं बेच पाएगा।

गुजरात विश्वविद्यालय के छात्रावास में नमाज अदा कर रहे विदेशी छात्रों पर हमला

अहमदाबाद,17 मार्च 2024। गुजरात विश्वविद्यालय के हॉस्टल में भीड़ ने विदेशी छात्रों के एक समूह पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पुलिस मामले की जाँच कर रही है। हमले में पाँच छात्र घायल हुए हैं। भीड़ ने कथित तौर पर रात में उस समय हमला किया जब पीड़ित छात्र हॉस्टल परिसर में नमाज अदा कर रहे थे। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने पुलिस को दोषियों को पकड़ने और मामले की जाँच का आदेश दिया है।

इस समय रामजान का पाक महीना चल रहा है। छात्र रात में तरावीह (नमाज) पढ़ने के लिए जुटे थे। इसी दौरान कथित तौर पर हमला किया गया। पीड़ितों के अनुसार, लाठी-डंडों और चाकुओं से लैस भीड़ जबरन हॉस्टल में घुस गई और उन पर हमला किया। भीड़ ने संपत्ति को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचाया। हॉस्टल के सुरक्षाकर्मी हमले को रोकने में नाकाम रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने कहा, हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। हम जल्द ही कुछ प्रशासनिक फैसले लेंगे। पुलिस भी इस मामले को सुलझाने के लिए हमारे साथ काम कर रही है। अभी इस बात की जाँच होनी बाकी है कि हमला करने वाले विश्वविद्यालय के छात्र थे या नहीं। नमाज एक निजी फैसला है। वह नमाज अपने कमरे में या मस्जिद में अदा कर रहे हैं, और उनके लिए क्या आदर्श है। इसका जवाब केवल छात्र ही दे सकते हैं।हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस घटना की निंदा की है। उन्होंने राष्ट्रीय नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। अहमदाबाद शहर के पुलिस आयुक्त जेएस मलिक ने कहा कि मामले की जाँच की जा रही है। न्याय जरूर मिलेगा। एक अफगान छात्र ने बताया कि हमलावर उनके कमरे में घुस आए, सामान तोड़ दिया और भड़काऊ नारे लगाए। घायलों में अफगानिस्तान, श्रीलंका, तुर्कमेनिस्तान और दो अफ्रीकी देशों के नागरिक शामिल हैं। पुलिस के पहुँचने से पहले ही हमलावर फरार हो चुके थे। घायल छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनके संबंधित दूतावासों को सूचना दे दी गई है।

एसआई पेपर लीक : पटवारी हर्षवर्धन के सहयोगी रिंकू शर्मा के मकान पर चला सर्च अभियान

दौसा ,17 मार्च 2024। एसआई भर्ती में पेपर लीक और डमी कैंडिडेट बैठाने के मामले में एसओजी ने रविवार को दौसा में फिर कार्रवाई की है। दौसा में पटवारी हर्षवर्धन के सहयोगी रिंकू शर्मा के लवकुश नगर स्थित मकान पर सर्च अभियान चलाया। एसओजी टीम दौसा कोतवाली पुलिस के साथ घर पर पहुंची तथा तलाशी ली। एसओजी रिंकू शर्मा की पत्नी की भूमिका की भी पेपर लीक प्रकरण में जांच करेगी। एसओजी एटीएस के एडीजी वीके सिंह के सुपरविजन में एएसपी नरेंद्र मीणा ने कार्रवाई की।

दूसरी ओर महवा के टीकरी जाफ़रान गांव में स्वरूप मीना के घर पर भी दबिश दी। पेपरलीक प्रकरण में एसओजी टीम महवा के टीकरी जाफरान गांव में स्वरूप मीना की तलाश में जुटी है। गौरतलब है कि पटवारी हर्षवर्धन मीणा के घर दबिश देने के बाद एसओजी को पेपरलीक में रिंकू शर्मा की भूमिका के बारे में पता चला था। इसके बाद रिंकू शर्मा के घर पर यह दूसरी बार कार्रवाई के लिए पहुंची है। पहले डीईओ कार्यालय में भी पड़ताल की थी। कार्यालय से रिंकू के भाई दीनदयाल का सरकारी रिकार्ड हासिल किया था। रिंकू का भाई दीनदयाल शर्मा सरकारी स्कूल में लाइब्रेरियन है।

एसओजी की टीम ने भर्तियों का रिकॉर्ड भी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से मांगा था। एसओजी ने खुलासा किया था कि एसआई भर्ती परीक्षा- 2021 का पेपर जयपुर के हसनपुरा स्थित रविंद्र बाल भारती सीनियर सैकंडरी स्कूल से आउट हुआ था। पूछताछ में सामने आया कि एक ग्रुप से परीक्षार्थियों में तेजी से पेपर बिकने की खबर फैली।

सुरजपुर डीपीएम अवकाश के दिन चुपके - चुपके कोरिया

सीएमएचओ कार्यालय में कर रहे है नियम विरुद्ध कामःसूत्र

पूर्व प्रभारी डीपीएम के स्थानांतरण के बाद क्या निष्पक्ष तरीके से उनके विरुद्ध जांच हो पाएगी ?

नाम के लिए हटाये गए है कोरिया से...संसाधन कोरिया का उपयोग कर रहे है सुरजपुर डीपीएम ?

कोरिया के पूर्व स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी डीपीएम कहते हैं कि उनके खिलाफ शिकायत नहीं है और यहां शिकायतों पर जांच करने का आदेश कैसे आ रहा है ?

खुद उनके विभाग के कर्मचारी उनकी शिकायत कर चुके हैं

पूर्व प्रभारी डीपीएम डॉक्टर प्रिंस जायसवाल के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतें हुई हैं फिर भी वह कहते हैं कि उनके ऊपर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं

राज्य सरकार ने जारी नहीं किया था डीपीएम का आदेश...कांग्रेस सरकार के आदेश का क्या हुआ ?

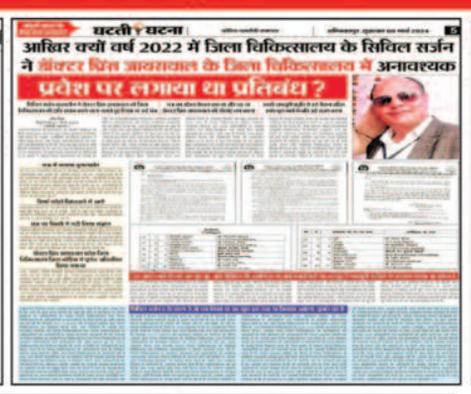
आखिर क्यों वर्ष 2022 में जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन ने डॉक्टर प्रिंस जायसवाल के जिला चिकित्सालय में अनावश्यक प्रवेश पर लगाया था प्रतिबंध ?

कोरिया से भारमुक्त होकर सूरजपुर में कार्यभार ग्रहण किया प्रभारी डीपीएम डॉ. प्रिंस जायसवाल ने

न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में मिली कई खामियां, फिर भी संबंधित विभाग आंखें मूंदे क्यों बैठा है ?

-रवि सिंह-

कोरिया/ सूरजपुर 17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बहुचर्चित पूर्व प्रभारी डीपीएम स्वास्थ्य विभाग डॉक्टर प्रिंस जायसवाल के विरुद्ध कैसे कहते हैं जनता से लेकर उनके खुद के विभाग के कर्मचारी उनकी शिकायत कई बार कर चुके हैं शिकायतों पर निष्पक्ष जांच कि मांग है पर यह मांग कब पूरी होगी इसकी भी वर्तमान सरकार से दरकार है, वैसे डॉक्टर प्रिंस जायसवाल सीना ठोक कर कहते हैं कि उनके ऊपर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है पर वही दैनिक घटती-घटना के पास उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार की हुई शिकायत की पूरी छाया प्रति मौजूद है साथ ही उनके विभाग के कर्मचारियों ने भी उनके विरुद्ध शिकायत की है वह भी मौजूद है सभी शिकायतों में लगातार जांच करने के आदेश ऊपर से आ भी रहे पर जांच क्यों नहीं हो पा रही है यह भी एक बड़ा सवाल है क्या जांचकर्ता इनके प्रभाव में है या फिर जांचकर्ता अधिकारी की कोई यह नस दबा रखे हैं जिस वजह से वह इनकी निष्पक्ष जांच करके ऊपर नहीं भेज पा रहे हैं? पूर्व की कांग्रेस सरकार में भी विधायक व मंत्री से उनकी करीबियां थी और वर्तमान सरकार में तो मंत्री उनके रिश्तेदार हैं ऐसा इन्हीं के मुंह से बोलते शहर वालों ने सुना है उसी का धौस दिखाकर इस सरकार में वह अपनी मनमानी जारी रखे हैं, वैसे कोरिया जिले से इनकी छुट्टी हो गई है और सूरजपुर जिले में इन्हें प्रभारी डीपीएम बनाकर भेजा गया है पर इनका हस्तक्षेप आज भी कोरिया जिले में देखा जा सकता है, सूत्रों का कहना है की सूरजपुर से आने के बाद आज भी वह कार्यालय में बैठकर अपना जांच प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं आज भी वह कोरिया के ही प्रभारी डीपीएम के लिए अधिग्रहित वाहन का इस्तेमाल कर रहे हैं। अभी तक उन्हें विभागीय ग्रुप से भी नहीं हटाया गया और ना ही उनके मोबाइल से मेल आईडी को भी हटाया गया अभी तक यह कोरिया ग्रुप में मौजूद है जबकि कोई भी कोरिया जिले से जाता है तत्काल उसे ग्रुप से बाहर कर दिया जाता है पर पूर्व प्रभारी डीपीएम को आज भी कोरिया ग्रुप से बाहर नहीं किया गया जो कहीं ना कहीं संदेहास्पद है। वैसे डॉक्टर प्रिंस जायसवाल के विरुद्ध हुई शिकायतों की जांच कौन करेगा जबकि शिकायत भी एक जगह न तो की गई है न ही जांच के लिए ही एक ही जगह से पत्र आया है,मुख्यमंत्री सचिवालय तक से जांच का आदेश आया है लेकिन सभी जांच रुकी हुई है। वैसे स्वास्थ्य विभाग में योग्यता की जगह अपनी रिश्तेदारी बताकर मनमानी कर रहे संविदा आयुर्वेद चिकित्सक की कौन जांच करेगा यह बड़ा सवाल है।

अब तक कोरिया के व्हाट्सएप ग्रुप में

सूत्र बताते है कि अभी तक पर्दे के पीछे सीएमएचओ और डीपीएम का खास रणनीतिकार करोड़ो के एनएचएम में प्रशिक्षण और नियुक्ति का काम देख रहे राकेश सिंह सबसे बड़े मददगार रहे है, जैसे ही विभाग से कोई स्थान्तरित हुआ या हटाया गया उनके द्वारा तत्काल उसे व्हाट्सएप ग्रूप से हटाकर बाहर कर दिया जाता है पर सुरजपुर डीपीएम पर उनकी खास कृपा बरस रही है अब भी उन्हें कोरिया हेल्थ ग्रूप से हटाया नही गया है बल्कि वो इस ग्रूप में तमाम जानकारी भी शेयर कर रहा है।

जीमेल डीपीएम के मोबाइल पर

स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों की माने तो कहने को डीपीएम को यहां से हटाकर सुरजपुर भेज दिया गया है परंतु अभी वो काम यहीं कर रहा है, एनएचएमकोरिया जीमेल डॉट कॉम और हेल्थकोरिया जीमेल डॉट कॉम दोनो जीमेल उसी के मोबाइल में संचालित है कोरिया में दोनो जीमेल का संचालन वो ही कर रहा है। सूत्र यह भी बताते है कि संसाधन कोरिया के ही उपयोग कर रहा है वाहन कोरिया की है जिस से वो आता-जाता है।

आचार संहिता के एक दिन पहले कलेक्टर कार्यालय में

15 मार्च को जब यह खबर आई कि 16 मार्च को 3 बजे चुनाव आयोग प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा और आचार संहिता लग जायेगी जिसके बाद देर रात तक कलेक्टर कार्यालय में कार्यो की स्वीकृति जारी रही,इस अवसर पर सुरजपुर के डीपीएम भी 9 बजे तक कलेक्टर साहब के दफ्तर में देखे गए आप सहज अंदाजा लगा सकते है भले की सुरजपुर के डीपीएम बना दिया गया हो पर जिला प्रशासन की जान तो तोते में ही अटकी हुई है।

विभागीय कर्मचारी भी कर चुके हैं शिकायत,जांच होनी है बाकी

कोरिया जिले के प्रभारी पूर्व डीपीएम डॉक्टर प्रिंस जायसवाल की शिकायत विभाग के ही कर्मचारी कर चुके हैं,वैसे वह सीना ठोककर कहते हैं की उनकी कोई शिकायत कहीं नहीं हुई है लेकिन दस्तावेज और शिकायत पत्र बताते हैं की उनकी कई शिकायत पूर्व में भी हो चुकी है कुछ में जांच भी हुई है वहीं कई में जांच लंबित है। पूर्व डीपीएम की शिकायतें राजधानी के विभिन्न स्वास्थ्य विभाग के कार्यालयों में मुख्यमंत्री सचिवालय,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय में किया गया है। इसलिए उनका शिकायत मामले में यह कहना की उनकी कोई शिकायत कहीं नहीं है यह सरासर झूठी बात है।

घटती घटना की मुहीम व खबर प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल के लिए जारी और कार्यवाही का इंतजार

घटती घटना स्वास्थ्य विभाग में हुए और हो रहे घोटालों पर लगातार खबर का प्रकाशन कर रहा है, हमारी ही खबर पर प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल का स्थानांतरण सुरजपुर किया गया और खबरों के प्रकाशन के बाद 18 दिन बाद उसे यहां से सुरजपुर के लिए रिलीव किया गया, पर जिला प्रशासन कोरिया के सबसे लाडला और वरदहस्त डीपीएम अभी भी कोरिया में नियम विरुद्ध सीएमएचओ कार्यालय में बैठ रहा है। उसके साथ सहायक लेखपाल प्रवीण सिन्हा भी लीपापोती में लगे हुए है। विश्वस्त सूत्रों की माने तो सूरजपुर डीपीएम के पद पर रिलीव होने ले बाद हर शाम 6 30 के बाद सीएमएचओ कार्यालय में देखे जा रहे है, अवकाश के दिन शनिवार और रविवार को अपने साथ सहायक लेखा अधिकारी प्रवीण सिन्हा भी कार्यालय के कामो में सबसे नज़र बचाकर काम मे लगे है। सहायक लेखा अधिकारी वैसे तो अम्बिकापुर से ही आना जाना करते है पर लेखा कर ज्यादातर कार्य जब कार्यालय में कोई नही रहता तब ये खुलकर पूरे दिन अपने खास सुरजपुर डीपीएम के साथ मिलकर निपटाने में जुटे हुए है। दैनिक घटती-घटना तब तक खबर लिखता रहेगा जबतक जांच पर कार्यवाही ना हो जाए।

शिकायतों की जांच के लिए लगातार आ रहे पत्र,कई कार्यालय से जांच के लिए आए हैं पत्र

मुख्यमंत्री सचिवालय,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सहित कई कार्यालयों से डॉक्टर प्रिंस जायसवाल की शिकायतों को लेकर जांच करने पत्र आया हुआ है। जांच हुई नहीं हुई यह तो स्पष्ट नहीं लेकिन डॉक्टर प्रिंस जायसवाल के शिकायत मामलो में उच्च कार्यालयों के द्वारा जांच के लिए पत्र लिखना बताता है की उनकी शिकायतें हुई हैं और उनका यह कहना की उनकी कहीं कोई शिकायत नहीं है यह सरासर झूठी बात है।शिकायतें विभाग के कर्मचारियों की तरफ से भी हुई हैं जो यह बताने काफी है की उनकी दोषपूर्ण कार्यप्रणाली से विभाग के लोग भी अनभिज्ञ नहीं हैं और कहां कहां उनकी तरफ से गड़बड़ी की गई है वे जानते हैं।

जांच आखिर क्यों नहीं हो पा रही है,क्या जांच अधिकारियों को अपने प्रभाव में ले चुके हैं डॉक्टर प्रिंस जायसवाल ?

कोरिया जिले के पूर्व प्रभारी डीपीएम डॉक्टर प्रिंस जायसवाल की कई जांच लंबित है ऐसा हम नहीं वह पत्र बताते हैं जो उनके कार्यकाल के जांच के लिए आई हुई हैं,एन एच एम अंतर्गत कोरिया जिले में हुई गड़बड़ियों की शिकायतें हुई हैं वहीं उनकी जांच के लिए पत्र आया हुआ है और जांच में क्या हुआ अज्ञात है। क्या जांच अधिकारी को भी अपने प्रभाव में कर चुके हैं डॉक्टर प्रिंस जायसवाल यह भी सवाल खड़ा हो रहा है क्योंकि जांच होने पर बड़ा फर्जीवाड़ा पकड़ा जाएगा यह तय है। वैसे स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा बोलकर ही वह बचते आ रहे हैं आगे भी वही उनका बचने का हथियार होगा यह माना जा रहा है।

कोरिया जिले से मोह नहीं हुआ खत्म,अभी भी कार्यालय जाना आना,जिले में घूमने के लिए अधिग्रहित वाहन में ही चलना है जारी

पूर्व डीपीएम का कोरिया जिले से अभी भी मोह भंग नही हुआ है। वह बताया जा रहा है की अभी भी कार्यालय आ जा रहे हैं और पुराने कुछ काम निपटा रहे हैं जिनमे जांच हो सकती है उनकी लीपापोती भी कर रहे हैं। वह वाहन भी वही चढ़ रहे हैं जो कोरिया जिले के डीपीएम के लिए अधिग्रहित की गई है। वह जिले के अधिकारियों के विभिन्न वॉट्सएप समूहों में भी अभी विद्यमान हैं जबकि अन्य अधिकारियों के जाते ही उन्हे रिमूव करने का रिवाज है।

CMYK

एक बार फिर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अपने गलत मंसूबे में हुए असफल ?...अपने चहेते सोनहत खंड चिकित्सा अधिकारी को नहीं ला पाए पटना

क्या दो नेत्र चिकित्सकों में चल रही है प्रतिस्पर्धा...युवा नेत्र चिकित्सक की वजह से सेवानिवृत होने के कगार पर खड़े चिकित्सक को हो रहा नुकसान ?

वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक क्या युवा नेत्र चिकित्साक के कार्यों से जलन महसूस कर रहे हैं और उसे नुकसान पहुंचाने का करना चाहते हैं प्रयास ?

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना की बेहतर व्यवस्था को फिर से बेपटरी करने मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी क्यों कर रहे लगातार प्रयास ?

खंड चिकित्सा अधिकारी को हटाने और पूर्व खंड चिकित्सा अधिकारी को लाने का लगा रहे एड़ी चोटी का जोर ?

नेत्र मामले के विशेषज्ञ होने के नाते पटना क्षेत्र के नेत्र रोगियों को भी मिल पा रही थी नेत्र रोग संबधी चिकित्सा सुविधा

कांग्रेस पार्टी में परिवार के सदस्यों की उपस्थिति का डॉ. श्रेष्ठ ने उठाया फायदा और डॉ. बलवंत को वरिष्ठ होने के बाद भी सोनहत का बीएमओ नहीं बनने दिया था

सोनहत के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर श्रेष्ठ मिश्रा के साथ मिलकर पटना खंड चिकित्सा अधिकारी को हटाने का प्रयास लगातार मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी कर रहे हैं पर हर बार वह नाकाम हो रहे हैं उसकी सिर्फ एक वजह है वह है सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के खंड चिकित्सा अधिकारी का खराब व्यवहार व उनका खराब परफॉर्मेंस। सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर श्रेष्ठ मिश्रा कांग्रेस शासनकाल में पदस्थ किए गए थे, तब वहां डॉक्टर बलवंत सिंह सबसे वरिष्ठ चिकित्सक थे लेकिन कांग्रेस नेताओं से अच्छे संबंध के कारण वहीं कांग्रेस पार्टी में परिवार के सदस्यों की उपस्थिति का तब डॉक्टर श्रेष्ठ मिश्रा ने फायदा उठाया था डॉक्टर बलवंत को वरिष्ठ होने के बाद भी खंड चिकित्सा अधिकारी नहीं बनने दिया था और डॉक्टर बलवंत को सोनहत छोड़ना पड़ा था। डॉक्टर बलवंत सोनहत में काफी प्रसिद्ध थे अपनी स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रदान करने के मामले में लेकिन कांग्रेस शासनकाल में डॉक्टर श्रेष्ठ मिश्रा ने कांग्रेस नेताओं से संपर्क और पारिवारिक रूप से कांग्रेस परिवार से संबद्ध होने के कारण डॉक्टर बलवंत को वरिष्ठ होने के बावजूद सोनहत से हटवाने में सफलता प्राप्त कर ली थी।

क्या इस कारण से सोनहत छोड़कर भागना चाहते हैं डॉक्टर श्रेष्ठ मिश्रा ?

अब जब प्रदेश में भाजपा की सरकार सत्ता में वापस आई है वहीं सोनहत में रहते हुए खंड चिकित्सा अधिकारी की जिम्मेदारी सम्हालते हुए डॉक्टर श्रेष्ठ मिश्रा की कार्यप्रणाली से भाजपाई रूष्ट हैं वहीं क्षेत्र की विधायक भी तेज तर्रार हैं जो गलतियों को लेकर काफी नाराज होती हैं लोगों को मिलने वाली सुविधाओं में कटौती उन्हे बर्दास्त नहीं होती जिसके कारण वह सोनहत छोड़कर भागना चाहते हैं जिससे उन्हे भरतपुर सोनहत क्षेत्र की विधायक का कोप भाजन न बनना पड़े,क्योंकि जिस दिन विधायक को खंड चिकित्सा अधिकारी की गलतियों मनमानियों का पता चल सकेगा वह मामले कोई रियायत नहीं देने वाली निश्चित ही कार्यवाही होगी इसलिए डॉक्टर श्रेष्ठ सोनहत छोड़कर दोबारा पटना आना चाहते हैं जिससे वह फिर मनमानी कर सकें और पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में खंड चिकित्सा अधिकारी बनकर वर्तमान की बेहतर चल रही स्वास्थ्य व्यवस्था को बदतर कर सकें।

क्या शासन के द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारी सोनहत की डॉक्टर पत्नी पर निश्चेतना विशेषज्ञता के लिए खर्च किए गए पैसे हुए बेकार ?

सोनहत में पदस्थ खंड चिकित्सा अधिकारी की पत्नी भी डॉक्टर हैं,जो पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही पदस्थ हैं लेकिन कार्य पर उनकी उपस्थिति नहीं के बराबर होती है और हाल में ही हुए निरीक्षण जिसे पटना की तहसीलदार ने किया था जो डिप्टी कलेक्टर हैं के निरीक्षण के दौरान पाया गया था की डॉक्टर प्रियंका लंबे समय से अस्पताल नहीं आई हैं और जिसपर तहसीलदार पटना के द्वारा इसका निरीक्षण टीप में भी उल्लेख किया गया और मामले में खंड चिकित्सा अधिकारी से भी उन्होंने जानकारी ली,बताया जाता है की खंड चिकित्सा अधिकारी की पत्नी को विभागीय तौर पर निश्चेतना का विशेषज्ञ बनाने के लिए विभाग ने राशि भी खर्च की है लेकिन जबसे वह यह विशेषज्ञता लेकर लौटी हैं उनकी कार्य पर उपस्थिति ही नहीं हो पा रही है,बताया जाता है जिला चिकित्सालय में उन्हे सेवा देनी है लेकिन जिला चिकित्सालय में कोई चिकित्सक निश्चेतना के लिए डॉक्टर प्रियंका को नहीं बुलाना चाहता उनका कहना है की उनकी कुशलता सही नहीं होना इसकी वजह है वह सही ढंग से निस्चेतक की जिम्मेदारी नहीं निभा पातीं वहीं उन्हे पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सेवा देनी है वहां से भी वह नदारद ही हैं ऐसे में सवाल उठता है की क्या उन्हे या उनके ऊपर किया गया विभागीय खर्च व्यर्थ गया क्योंकि उनकी विशेषज्ञता का फायदा किसी को नहीं मिल पा रहा वहीं वह अपनी मूल पदस्थापना से भी नदारद चल रही हैं।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,17 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में तीन नाम काफी चर्चित हैं पहला नाम तो खुद जिले के स्वास्थ्य विभाग के मुखिया मतलब मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आर एस सेंगर का है दूसरा नाम पहले के प्रभारी डीपीएम डॉक्टर प्रिंस जायसवाल का वहीं तीसरा नाम है डॉक्टर श्रेष्ठ मिश्रा का यह तीनों नाम इस समय स्वास्थ्य विभाग की सुर्खियां हैं, सुर्खियां बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए नहीं सिर्फ राजनीत करने व षड्यंत्र करने में सुर्खियां बटोर रखे हैं यह लोग, किसे हटाना है किस अस्पताल से,किसे किस अस्पताल में रखना है कहां भेजना है सिर्फ यही इस समय चल रहा है बेहतर स्वास्थ्य सुविधा कैसे मिलेगी कौन बेहतर व्यवस्था पर काम करेगा इस पर बिल्कुल भी चर्चा नहीं हो रही, कम से कम यह लोग इस विषय के अलावा अन्य विषय पर ज्यादा व्यस्त हैं, इनका दिमाग इस मामले में ज्यादा चलता है की कहां से पैसा कमाना है यह इनका मुख्य उद्देश्य हो चला है जो इनकी कार्यप्रणालियों को देखकर लगता है, जैसे तैसे एक तत्कालीन प्रभारी डीपीएम से कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग को छुटकारा मिला तो है पर कागजों में अभी भी दूसरे जिले जाने के बाद भी उनका हस्तक्षेप जारी है पर वही पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के वर्तमान खंड चिकित्सा अधिकारी जो नेत्र चिकित्सक भी हैं और एक ठीक-ठाक डॉक्टर भी हैं लेकिन उनके साथ की समस्या यह है कि उनके उच्च अधिकारी भी इन्हीं के समान वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक हैं, पहले वह इकलौते नेत्र चिकित्सक थे और एक अच्छे अनुभवी चिकित्सक थे, जिस वजह से उनकी पहचान काफी थी ख्याति भी काफी थी और दूर-दूर से नेत्र से संबंधित रोगों को लेकर मरीज उनके पास आया करते थे पर वही एक युवा नेत्र चिकित्सक बलवंत सिंह इस समय अपने बेहतर व्यवहार व इलाज से नेत्र के अच्छे डॉक्टर बनते जा रहे हैं जिस वजह से उनके ही वरिष्ठ अधिकारी को अंदर से जलन होने लगी है जिस वजह से अंदर खाने में बहुत तेजी से षड्यंत्र के तहत डॉक्टर बलवंत सिंह को पटना सामुदायिक केंद्र के खंड चिकित्सा अधिकारी के पद से हटाने की कवायद हो रही है, वहीं उन्हें खंड चिकित्सा अधिकारी के पद से हटाने का पूरा प्रयास मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी कर रहे हैं ताकि युवा चिकित्सक हताश हो जाए और बेहतर नेत्र चिकित्सक की काबिलियत से वह बेहतर इलाज न कर सके और उसकी ख्याति दूर दूर तक न जा सके ऐसा सूत्रों का कहना है।

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-समाचार | अम्बिकापुर ,सोमवार 26 फरवरी 2024 | 5

क्या डॉक्टर प्रियंका की वापसी सिर्फ आदेशों और पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सूचना बोर्ड व केबिन नेम प्लेट में हुई ?

मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर बलवंत को मानते हैं अपना प्रतिष्पर्धी,इसलिए पड़े हैं डॉक्टर बलवंत के पीछे

मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी नेत्र चिकित्सक हैं वहीं पटना खंड चिकित्सा अधिकारी भी नेत्र चिकित्सक हैं वहीं खंड चिकित्सा अधिकारी अब पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही मित्र रोगों का इलाज करने लगे हैं वहीं वह वहीं ऑपरेशन भी करने लगे हैं जिससे उनकी ख्याति भी बढ़ी है साथ ही पटना क्षेत्र जो काफी बड़ी आबादी का क्षेत्र है के लोगों को नेत्र रोगों के इलाज की सुविधा भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में मिलने लगी है। इस बात को मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया प्रतिष्पर्धा स्वरूप में मानकर चलने लगे हैं वहीं डॉक्टर बलवंत को ही अब नेत्र मामलों के जिला स्तरीय कैंप में भी भेजा जा रहा है जिससे मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी अंदर ही अंदर जलन महसूस करने लगे हैं और जिसके कारण वह डॉक्टर बलवंत को किसी भी हालत में पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से हटाना चाहते हैं जिससे उनके नेत्र मामलों के मरीजों में कमी न आने पाए वहीं उनकी जगह किसी अन्य की ख्याति स्थापित न होने पाए। इसलिए वह डॉक्टर बलवंत को पटना से हटाना चाहते हैं वहीं उनकी जगह डॉक्टर श्रेष्ठ की पदस्थापना चाहते हैं। मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पटना क्षेत्र के लोगों को मिल सके इस पक्ष में नहीं रहकर इस पक्ष में है की पटना में उनके अनुसार खंड चिकित्सा अधिकारी पदस्थ हो और उनकी मन मर्जी भी चल सके साथ ही आंख के इलाज मामले में लोगों को बैकुंठपुर तक आना पड़े। खैर मामले में बैकुंठपुर विधायक ने गंभीरता दिखाई और उन्होंने सबकुछ भांपकर डॉक्टर श्रेष्ठ को पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का खंड चिकित्सा अधिकारी बनाए जाने का पक्ष लेने से मना कर दिया जो क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य मामले में विधायक की गंभीरता बताने काफी है।

क्या कोई है जो खंड चिकित्सा अधिकारी सोनहत की पत्नी डॉक्टर प्रियंका से पूरी ड्यूटी कर सके ?

जिले में यह भी देखा गया है की प्रशासनिक अधिकारियों की पत्नियां भी चिकित्सक बतौर सेवा प्रदान कर चुकी हैं जिले में जिन्हे अपने कार्य पर उपस्थित पाया जाता था वह कभी प्रशासनिक अधिकारियों की पत्नी का रुतबा नहीं झाड़ती दिखीं लेकिन सोनहत के खंड चिकित्सा अधिकारी की पत्नी जो डॉक्टर हैं का रुतबा गजब का है,उनसे ड्यूटी करा पाने में कोई सफल नहीं हो पा रहा है। वह अस्पताल फिलहाल नहीं जा रही हैं लेकिन जैसे ही खंड चिकित्सा अधिकारी पटना मामले में एक्शन लेते हैं वह एक लिपिक के माध्यम से खंड चिकित्सा अधिकारी से संपर्क करती हैं, उनसे ड्यूटी करा पाने में असमर्थ साबित होने पर ही खंड चिकित्सा अधिकारी एक्सन लेते हैं लेकिन फिर भी वह सफल नहीं हो पाते। वैसे ऐसा कोई नहीं सिवाय एक के जो डॉक्टर प्रियंका से ड्यूटी करा सके और वह खुद खंड चिकित्सा अधिकारी सोनहत साथ ही डॉक्टर प्रियंका के पति हैं जिनके पटना में खंड चिकित्सा अधिकारी बनते ही वह कार्य पर उपस्थित हो जायेगी ऐसा माना जाता है वरना वह काम नहीं करने वाली,वैसे पति के खंड चिकित्सा अधिकारी बनने के बाद वह कार्य पर कागजी तौर पर ही उपस्थित होंगी उनसे कार्य ले पाना किसी के लिए भी नामुमकिन है।

विधायक ने डॉक्टर श्रेष्ठ को पटना का खंड चिकित्सा अधिकारी बनाने से किया मनाःसूत्र

सूत्रों की माने तो डॉक्टर बलवंत की जगह डॉक्टर श्रेष्ठ को पटना का खंड चिकित्सा अधिकारी बनाने के लिए मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया साथ ही एक स्थानीय भाजपा नेता जब बैकुंठपुर विधायक के पास पहुंचे विधायक ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया। बताया जाता है की मामले में भारी लेनदेन भी हुआ था जो राशि नेता सहित मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया में बांटा जाना था लेकिन क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधा से खिलवाड़ नहीं करने की बात कहते हुए बैकुंठपुर विधायक ने डॉक्टर श्रेष्ठ को पटना का खंड चिकित्सा अधिकारी बनाने से मना कर दिया जिसके बाद बताया जाता है की भाजपा नेता और सीएमएचओ को खाली हांथ लौटना पड़ा,वैसे सूत्रों की माने तो डॉक्टर श्रेष्ठ ने पटना का खंड चिकित्सा अधिकारी बनने के लिए खुली बोली लगा दी है और अब देखने वाली बात होगी की आगे वह बोली के सहारे पद पाते हैं या फिर उन्हे ऐसे ही रहना पड़ता है।

एक लिपिक की भूमिका भी है पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को लेकर विभीषण जैसी,पदस्थ रहकर इधर उधर दोनो तरफ रोटियां सेंक रहे

पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एक लिपिक की भूमिका भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को बर्बाद करने के पीछे महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विभीषण की भूमिका निभाता उक्त लिपिक बताया जा रहा है की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में क्या प्रतिदिन की गतिविधि हैं कहां जरा भी त्रुटि हो रही है वह इसको लेकर संदेश वाहक बनकर काम कर रहा है और सूचना तत्काल उन्हे भेज रहा है जो पटना अस्पताल में डॉक्टर बलवंत की जगह आना चाहते हैं या जो डॉक्टर बलवंत की बेहतर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधा से जलन महसूस कर रहे हैं। उक्त लिपिक का पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से हटना भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की भलाई के लिए बेहतर होगा वरना आज नहीं कल वह अपने अभियान में सफल हो जायेगा।

सैकड़ों ग्रामीण सहित पंचायत प्रतिनिधि पंचायत सचिव पर मनमानी का लगाया आरोप

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,17 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत बचरा के सैकड़ों ग्रामीण सहित पंचायत प्रतिनिधि पंचायत सचिव पर मनमानी का आरोप लगाकर उसे हटाने के लिए जनपद पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपा गया गांव के उप सरपंच सहित ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत सचिव प्रदीप जायसवाल के कार्यकाल से ग्रामीण असंतुष्ट है। क्योंकि वह 2-3 वर्ष से एक ही पंचायत में पदस्थ है। जो आपने मनमानी और अड़ियल रवैया अपना कर अपने मन मुताबिक काम करता है। ग्रामीणों ने बताया कि सचिव किसी का बात ही नहीं सुनता और अपना मनमानी चलाता है। जिससे गांव में शांति भंग हो रही है। सरपंच पति सहित ग्रामवासी ने बताया कि सचिव हर बात को लेकर हमें गुमराह में रखता है और कोई भी काम नही करता है राशन कार्ड बनाने के एवज में सचिव द्वारा दो हजार रुपये का डिमांड किया जा रहा है, पंचायत संबंधित जानकारी मांगने पर सचिव जानकारी नहीं देता और ग्रामीण व पंचायत प्रतिनिधियों से अभद्र व्यवहार करता है। जब वार्ड पंच पंचायत के कामकाजों की जानकारी मांगते है तो पंचों को आरटीआई लगाने की बात करता है। महिलाओं से भी ऊंची आवाज में बात करता है।

सरपंच व ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत सचिव प्रदीप जायसवाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसको लेकर कर बताया कि सचिव द्वारा नियुक्त जन प्रतिनिधि सरपंच, पंचगण से पंचायत बैठक में ऊंची आवाज और टेबल ठोक कर बात किया जाता है। कोई भी जानकारी पूछने से आरटीआई लगाकर जानकारी लेने का हवाला देता है। साथ ही बताया कि सचिव प्रभार के समय से आज तक 14 वें 15 वें वित्त की राशि की पूर्ण जानकारी नहीं दी एवं पंचायत में हो रहें निर्माण कार्य के बारे में पूछने एवं किस मद से काम हो रहा जानने पर कहता है जानकारी लेने का अधिकार नहीं है कहकर टाल दिया जाता है पंच एवं ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य को अपने चहेते ठेकेदार को दे रखा है जिन निर्माण कार्य में भारी अनियमितता की जा रही है इन सब की जानकारी मांगने पर तैश में आकर कहता है कि यहाँ सचिव गिरी से मेरा पेट नहीं चलता है सचिव पद में महीने में जितना पगार मिलता है उतना तो मेरा हफ्ते भर का खर्चा है जानते नहीं हो क्या मै थार गाड़ी से चलता हूँ ऐसे तेवर दिखाते हैं सचिव प्रदीप जायसवाल और यह भी कहते फिरते हैं कि मुझे खुद नही करनी है सचिव की नौकरी जाओ शिकायत करो और हटावा तो मुझे अपने निजी व्यवसाय हर्बल प्रोडक्ट बेचने से ही फुर्सत नहीं जो मै बचरा पंचायत के लोगों की सेवा करु पंच व ग्रामीणों ने सचिव पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की जांच कराने ग्रामीण कलेक्टर के नाम आवेदन लिखकर इसी शिकायत जनपद सीईओ से की है। साथ ही मामले की शिकायत कलेक्टर से भी करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि अगर तीन चार दिनों के अंदर मामले की जांच कर सचिव को बचरा पंचायत से नहीं हटाया गया तो उग्र आंदोलन करने बाध्य होगें।

प्रेमी जोड़े की मिली लाश, युवक ने पहले प्रेमिका की हत्या की फिर खुद भी लगाया मौत को गले

-संवाददाता-
सूरजपुर 17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में प्रेमी जोड़े का शव मिलने से सनसनी मच गई है। प्रेमी की लाश पेड़ से लटके फंदे पर मिली, वहीं प्रेमिका का शव गड्ढे में पड़ा मिला। युवती के गले में रेतने का निशान था। साथ ही मौके से पुलिस को खून से सने दो ब्लेड भी मिले है। पुलिस आशंका जता रही है कि आरोपी प्रेमी ने पहले प्रेमिका की गला रेतकर हत्या कि, फिर खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

तय हुआ था युवती का रिश्ता- जानकारी के मुताबिक,घटना सूरजपुर जिले के विश्रामपुर थाना क्षेत्र के कुमदा रेलवे फाटक की है। शनिवार की दोपहर को दोनों का शव मिला। पुलिस ने शव की शिनाख्त कर युवती की पहचान कुम्दा बस्ती निवासी पूजा देवांगन 23 वर्ष और युवक की शिनाख्त गोपीपुर तेपरा निवासी शिवम पनिक 26 वर्ष के रूप में की गई। पूछताछ में परिजनों ने बताया कि शुक्रवार से ही दोनों घर से निकले हुए थे। युवती के परिजनों ने उसका रिश्ता अम्बिकापुर के एक युवक से तय किया था। कुछ दिनों में शादी भी होने वाली थी। इससे पहले ही दोनों प्रेमी युगल ने आत्महत्या कर ली।

परिजन थे नाखुश- पुलिस जांच में ये भी पता चला है कि प्रेमी जोड़े शादी करना चाहते थे। लेकिन लड़की और लड़के के परिजन दोनों इस रिश्ते से नाखुश थे। इसी गम में दोनों ने घर से भागकर सुनसान जगह में आत्महत्या कर ली। फिलहाल मामले में पुलिस ने दोनों मृतकों के परिजनों से पूछताछ कर रहे है। साथ ही घटना के संबंध में जांच की जा रही है।

क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर सीएम से मिली विधायक रेणुका सिंह

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़ 17 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व विधायक रेणुका सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। विधायक रेणुका सिंह ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय से मुलाकात के दौरान भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान अब तक विधानसभा क्षेत्र में मिली सौगात को लेकर विधायक रेणुका सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति क्षेत्र की जनता की ओर से आभार जताया। विधायक ने मुख्यमंत्री से कहा कि भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्रफल के लिहाज से प्रदेश की बड़ी विधानसभा में शुमार है। विधानसभा क्षेत्र का क्रमांक भी एक है। ऐसे में यहां विकास कार्यों को लेकर काफी काम किये जाने है। विधायक ने मुख्यमंत्री से क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा की जिस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आश्वस्त कराया कि भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर कोई कमी नहीं होगी। जनता से किये गए हर वायदे पूरे किए जाएंगे। इस दौरान पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व भरतपुर सोनहत विधायक ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को विधानसभा क्षेत्र में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी भी दी। लोकसभा चुनाव को लेकर भी हुई चर्चा- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात के बाद विधायक रेणुका सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री से इस दौरान लोकसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की। विधायक ने मुख्यमंत्री को बताया कि कोरबा लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले भरतपुर सोनहत विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी 2019 के लोकसभा चुनाव में 21 हजार 648 मतों से आगे थे। पिछले लोकसभा चुनाव की इस बढ़त को हम कार्यकर्ताओ के साथ मिलकर और बढ़ाएंगे और कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय को विजयी बनाएंगे। इसके अलावा सरगुजा लोकसभा सीट में भी फिर से कमल खिलाने को लेकर मुख्यमंत्री से पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व विधायक रेणुका सिंह की चर्चा हुई।

तिवारी इन्टरप्राईजेज के विरुद्ध आठ लोगों ने की कलेक्टर से शिकायत,कहा नहीं

किया गया विधानसभा चुनाव के दौरान अधिग्रहित उनके वाहनों के किराए का भुगतान

प्रशासनिक अधिकारियों के काफी करीबी हैं तिवारी इंटरप्राइजेज के संचालक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाना इनका है शौख

पुलिस विभाग में इनकी वाहने होती है अधिग्रहित...लगभग वाहने व्यावसायिक में नहीं निजी में पंजीयन फिर कैसे होती है अधिग्रहित ?

आचार संहिता के दौरान अपने संस्था तिवारी इंटरप्राइजेज के नाम से कई लोगों का अधिग्रहित करवाया था इन्होंने वाहन और नहीं किया भुगतान शिकायत पहुंची कलेक्टर तक

आठ लोगों ने एक साथ किया तिवारी इंटरप्राइजेज के संचालक के विरुद्ध शिकायत

-रवि सिंह-
कोरिया 17 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

शासकीय तौर पर होने वाले वाहन अधिग्रहण मामले में काफी झोलझाल है और यह झोलझाल आज से नहीं लंबे समय से चला रहा है पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन स्वास्थ्य विभाग में वाहन अधिग्रहण का खेल खूब होता है यदि इसकी जांच हो जाए तो कई सारी अनियमितताएं देखने को मिल जाएगी जहां पर व्यावसायिक पंजीयन वाली वाहनों को अधिग्रहण करने का नियम है वहां निजी वाहनों का दूसरे के नाम पर अधिग्रहण करना लंबे समय से हो रहा है बिना निविदा के वाहन अधिग्रहित की जा रही है जो नियम विरुद्ध है कुछ इसी प्रकार आचार संहिता के दौरान कोरिया जिले में विधानसभा चुनाव में तिवारी इंटरप्राइजेज के द्वारा अपने अधीनस्थ बताकर पुलिस विभाग में कई वाहनों को लगाया था पर उन वाहन मालिकों को आज तक भुगतान उनके किराए की राशि का नहीं हो पाया जिन्होंने एक साथ मिलकर कलेक्टर कोरिया को इसकी शिकायत की है शिकायतकर्ता शिवबालक राजवाड़े निवासी ग्राम नरकेली, पोस्ट पतरापाली बैकुण्ठपुर, दुर्गा प्रसाद निवासी ग्राम झरनापारा पोस्ट कदमनारा जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर, सुखनन्दन सिंह निवासी ग्राम चिलका, पोस्ट- मनसुख बैकुण्ठपुर, संजय कुमार राजवाड़े निवासी ग्राम मझगवां बैकुण्ठपुर, फलेन्द्र कुमार निवासी ग्राम चेरवापारा, पोस्ट चरचा बैकुण्ठपुर, मंगल साय निवासी ग्राम भांड़ी, पोस्ट - कसरा बैकुण्ठपुर, उपेन्द्र सिंह निवासी ग्राम बरपारा, पोस्ट पतरापाली बैकुण्ठपुर, चन्द्र प्रताप निवासी ग्राम तमजीरा, पोस्ट पतरापाली बैकुण्ठपुर, लिखित शिकायत कर तिवारी इंटरप्राइजेज के संचालक से पैसे दिलाने की मांग की है।

क्या अब कलेक्टर कोरिया वाहन मालिकों को दिलाएंगे तिवारी इंटरप्राइजेज से उनका विधानसभा चुनाव के दौरान का किराया

विधानसभा चुनाव में अपनी फर्म तिवारी इंटरप्राइजेज के अंतर्गत संचालक ने कई वाहनों को पुलिस के उपयोग के लिए अधिग्रहित कराया और उसका निर्धारित किराया वाहन मालिकों को उसने देने का भी वादा किया,वाहनों का किराया चुनाव बीतने के बाद अब तक वाहन मालिकों को पूरा प्राप्त नहीं है और अब वह कलेक्टर कोरिया से किराया दिलाने की मांग कर रहे हैं। अब क्या तिवारी इंटरप्राइजेज से कलेक्टर कोरिया वाहन मालिकों को उनका किराया दिलाएंगे। वाहन मालिकों का कहना है की उन्हे कुछ राशि मिली लेकिन उनकी बड़ी राशि उन्हे नहीं प्रदान की गई।

तिवारी इंटरप्राइजेज के संचालक अधिकारियों के हैं करीबी,क्या अधिकारी जिले के वाहन मालिकों के साथ करेंगे न्याय ?

तिवारी इंटरप्राइजेज के संचालक अधिकारियों के करीबी हैं उनके साथ फोटो खिंचाने में भी वह काफी सक्रिय रहते हैं। अधिकारियों खास बताकर ही उन्होने वाहन मालिकों को झांसे में लिया था यह माना जा रहा है वैसे अब अधिकारी जिले के क्या करते हैं क्या वह तिवारी इंटरप्राइजेज से वाहन मालिकों का पैसा दिलाते हैं यह देखने वाली बात होगी।

क्या कहतें है शिकायतकर्ता

शिकायतकर्ता न.1

शिकायतकर्ता शिवबालक राजवाड़े ने कलेक्टर कोरिया को शिकायत कर बताया की मेरा वाहन महिन्द्रा पिकअप क्रमांक सीजी16 सीआर 5785 विधान सभा चुनाव में उपयोग के लिये पुलिस लाईन बैकुण्ठपुर कोरिया में लिया गया था जो कि निलेश तिवारी,फर्म तिवारी इन्टप्राईजेज के द्वारा भुगतान करने के लिये कहा गया था कि वाहन का भुगतान निर्वाचन का कार्य पूरा होने के पश्चात् 15 दिवस के अंदर आपका भुगतान कर दिया गया है परंतु आज दिनांक तक कोई भुगतान नहीं दिया गया, निलेश तिवारी के द्वारा 10,000/- रूपये का चेक दिया गया था। जिसका भुगतान मुझे प्राप्त हुआ है शेष राशि का भुगतान आज तक नहीं मिला है। मेरा वाहन दिनांक 06/11/2023 से 18/11/2023 तक पुलिस लाईन में आये हुए सी.आर.पी.एफ. में उपयोग हुई है तथा वाहन में डीजल पुलिस लाईन के द्वारा दिया गया, वाहन का लॉग बुक निलेश तिवारी को दे दिया गया है जो कि पुलिस लाईन के वाहन शाखा में जमा है।

शिकायतकर्ता न. 2

शिकायतकर्ता दुर्गा प्रसाद ने भी कलेक्टर कोरिया को शिकायत करते हुए बताया की मैं निलेश तिवारी का वाहन चालता था, उनका लेखा-जोखा एवं अन्य कार्यों को भी मेरे द्वारा किया जाता था। मैं निलेश तिवारी के यहां मैं सन् अगस्त 2023 से दिसम्बर 2023 तक काम किया हूं मुझे मेरा वेतन 12,500/- रूपये प्रतिमाह तय हुआ था जिसमें मुझे लगभग 18 से 20 हजार रूपये प्राप्त हुआ है शेष राशि अभी तक अप्राप्त है। मैं एक निर्धन परिवार से हूं एवं परिवार में मेरे अलावा कोई कमाने वाला नहीं जिससे मुझे एवं मेरे परिवार को जीवन निर्वाह करने में आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मेरे द्वारा निलेश तिवारी से अपना भुगतान प्राप्त करने के लिए बात करता हूं तो कहते है कि दे दूंगा, बाद में लेना, भूखे मर रहा है क्या? मेरे पास खुद को खाने को नहीं है।

शिकायतकर्ता न.3

शिकायतकर्ता सुखनन्दन सिंह ने कलेक्टर कोरिया को शिकायत कर बताया की मेरा वाहन महिन्द्रा पिकअप क्रमांक सीजी-16-सीएन-8025 विधानसभा चुनाव में उपयोग के लिये पुलिस लाईन बैकुण्ठपुर कोरिया में लिया गया था जो कि निलेश तिवारी, फर्म तिवारी इन्टप्राईजेज के द्वारा भुगतान करने के लिये कहा गया था कि वाहन का भुगतान निर्वाचन का कार्य पूरा होने के पश्चात् 15 दिवस के अंदर आपका भुगतान कर दिया गया है परंतु आज दिनांक तक कोई भुगतान नहीं दिया गया निलेश तिवारी के द्वारा 10,000/- रूपये का चेक दिया गया था। जिसका भुगतान मुझे प्राप्त हुआ है शेष राशि का भुगतान अप्राप्त है। मेरा वाहन दिनांक 06/11/2023 से 18/11/2023 तक पुलिस लाईन में आये हुए सी.आर.पी.एफ. में उपयोग हुई है तथा वाहन में डीजल पुलिस लाईन के द्वारा दिया गया, वाहन का लॉग बुक निलेश तिवारी को दे दिया गया है जो कि पुलिस लाईन के वाहन शाखा में जमा है।

शिकायतकर्ता न.4

शिकायतकर्ता संजय कुमार राजवाड़े ने कलेक्टर कोरिया को शिकायत कर के बताया की मेरा वाहन महिन्द्रा पिक-अप क्रमांक सीजी-16-सीजे-6121 विधान सभा चुनाव में उपयोग के लिये पुलिस लाईन बैकुण्ठपुर कोरिया में लिया गया था जो कि निलेश तिवारी, फर्म तिवारी इन्टप्राईजेज के द्वारा भुगतान करने के लिये कहा गया था कि वाहन का भुगतान निर्वाचन का कार्य पूरा होने के पश्चात् 15 दिवस के अंदर आपका भुगतान कर दिया गया है परंतु आज दिनांक तक कोई भुगतान नहीं दिया गया निलेश तिवारी के द्वारा 13,500/- रूपये का चेक दिया गया था। जिसका भुगतान मुझे प्राप्त हुआ है शेष राशि का भुगतान अप्राप्त है। मेरा वाहन दिनांक 06/11/2023 से 05/12/2023 तक पुलिस लाईन में आये हुए सी.आर.पी.एफ. में उपयोग हुई है तथा वाहन में डीजल कुल 70 लीटर पुलिस लाईन के द्वारा दिया गया, एवं मेरा वाहन कुल एक माह में 676 किलोमीटर चली है। वाहन का लॉग बुक निलेश तिवारी जी को दे दिया गया है जो कि पुलिस लाईन के वाहन शाखा में जमा है।

शिकायतकर्ता न.5

शिकायतकर्ता फलेन्द्र कुमार ने शिकायत कर बताया की मेरा वाहन स्कार्पियो क्रमांक सीजी-16-सीजे-1341 एवं स्कार्पियो क्रमांक सीजी-22-एबी-9567 विधान सभा चुनाव में उपयोग के लिये पुलिस लाईन बैकुण्ठपुर कोरिया में लिया गया था जो कि निलेश तिवारी, फर्म तिवारी इन्टप्राईजेज के द्वारा भुगतान करने के लिये कहा गया था कि वाहन का भुगतान निर्वाचन का कार्य पूरा होने के पश्चात् 15 दिवस के अंदर आपका भुगतान कर दिया गया है परंतु आज दिनांक तक कोई भुगतान नहीं दिया गया निलेश तिवारी के द्वारा 14,000/- रूपये का चेक के माध्यम से, 3000/- रूपये फोन-पे के माध्यम से दिया गया था। जिसका भुगतान मुझे प्राप्त हुआ है शेष राशि का भुगतान अप्राप्त है। मेरा वाहन दिनांक 03/11/2023 से 19/11/2023 तक पुलिस लाईन में आये हुए सी.आर.पी.एफ. में उपयोग हुई है तथा वाहन में डीजल पुलिस लाईन के द्वारा दिया गया, एवं कलेक्टर कार्यालय निर्वाचन शाखा के द्वारा दो के दिन के लिए वाहन को रायपुर भी ले गया था, का लॉग बुक निलेश तिवारी जी को दे दिया गया है जो कि पुलिस लाईन के वाहन शाखा में जमा है।

शिकायतकर्ता न.6

शिकायतकर्ता मंगल साय से कलेक्टर कोरिया को शिकायत कर बताया की मेरा वाहन स्कार्पियो क्रमांक सीजी-16-सीक्यू-2473 विधान सभा चुनाव में उपयोग के लिये पुलिस लाईन बैकुण्ठपुर कोरिया में लिया गया था जो कि निलेश तिवारी, फर्म तिवारी इन्टप्राईजेज के द्वारा भुगतान करने के लिये कहा गया था कि वाहन का भुगतान निर्वाचन का कार्य पूरा होने के पश्चात् 15 दिवस के अंदर आपका भुगतान कर दिया गया है परंतु आज दिनांक तक कोई भुगतान नहीं दिया गया श्री निलेश तिवारी के द्वारा 8,000/- रूपये का चेक के माध्यम से, 5000/- रूपये नगद दिया गया था। जिसका भुगतान मुझे प्राप्त हुआ है शेष राशि का भुगतान अप्राप्त है। पुलिस लाईन में आये हुए सी.आर.पी.एफ. में उपयोग हुई है तथा वाहन में डीजल पुलिस लाईन के द्वारा दिया गया, वाहन का लॉग बुक निलेश तिवारी जी को दे दिया गया है जो कि पुलिस लाईन के वाहन शाखा में जमा है।

शिकायतकर्ता न.7

शिकायतकर्ता उपेन्द्र सिंह ने कलेक्टर कोरिया को शिकायत कर के बताया की मेरा वाहन महिन्द्रा पिकअप क्रमांक सीजी-16- सीक्यू-8313 विधान सभा चुनाव में उपयोग के लिये पुलिस लाईन बैकुण्ठपुर कोरिया में लिया गया था जो कि निलेश तिवारी, फर्म तिवारी इन्टप्राईजेज के द्वारा भुगतान करने के लिये कहा गया था कि वाहन का भुगतान निर्वाचन का कार्य पूरा होने के पश्चात् 15 दिवस के अंदर आपका भुगतान कर दिया गया है परंतु आज दिनांक तक कोई भुगतान नहीं दिया गया निलेश तिवारी के द्वारा 20,000/- रूपये का चेक दिया गया था। जिसका भुगतान मुझे प्राप्त हुआ है शेष राशि का भुगतान अप्राप्त है। मेरा वाहन दिनांक 25/10/2023 से 26/11/2023 तक पुलिस लाईन में आये हुए सी.आर.पी.एफ. में उपयोग हुई है तथा वाहन में डीजल पुलिस लाईन के द्वारा दिया गया, वाहन का लॉग बुक निलेश तिवारी जी को दे दिया गया है जो कि पुलिस लाईन के वाहन शाखा में जमा है।

शिकायतकर्ता न.8

शिकायतकर्ता चन्द्र प्रताप ने कलेक्टर कोरिया को शिकायत कर के बताया की मेरा वाहन महिन्द्रा पिक-अप क्रमांक यूपी-64-टी-8597 विधान सभा चुनाव में उपयोग के लिये पुलिस लाईन बैकुण्ठपुर कोरिया में लिया गया था जो कि निलेश तिवारी, फर्म तिवारी इन्टप्राईजेज के द्वारा भुगतान करने के लिये कहा गया था कि वाहन का भुगतान निर्वाचन का कार्य पूरा होने के पश्चात् 15 दिवस के अंदर आपका भुगतान कर दिया गया है परंतु आज दिनांक तक कोई भुगतान नहीं दिया गया निलेश तिवारी के द्वारा 10,000/- रूपये का चेक दिया गया था। जिसका भुगतान मुझे प्राप्त हुआ है शेष राशि का भुगतान अप्राप्त है। मेरा वाहन दिनांक 06/11/2023 से 18/11/2023 तक पुलिस लाईन में आये हुए सी.आर.पी.एफ. में उपयोग हुई है तथा वाहन में डीजल पुलिस लाईन के द्वारा दिया गया, वाहन का लॉग बुक निलेश तिवारी जी को दे दिया गया है जो कि पुलिस लाईन के वाहन शाखा में जमा है।

किसी भी चुनाव में महिला मोर्चा की भूमिका होती है काफी अहम : डॉ सरोज पाण्डेय

-संवाददाता-
कोरबा,17 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा जिला अंतर्गत बालको मंडल की महिला मोर्चा सम्मेलन में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व लोकसभा प्रत्याशी डॉ सरोज पाण्डेय शामिल हुई। बैठक में महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने सुश्री पांडेय आत्मीय स्वागत किया। डॉ सरोज पांडेय ने कहा कि महिला मोर्चा के कार्य हर चुनाव में अहम होता है, इसलिए लोकसभा चुनाव में भी घर-घर महिलाओं तक पहुँचने की कोशिश महिला मोर्चा की होगी। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने महिलाओं को प्राथमिकता देकर पीएम आवास, शौचालय, उज्ज्वला

योजना, महतारी वंदन योजना जैसी अनेक योजनाएं चलाई है। अब समय आ गया है कि हम महिलाएं मोदी जी के लिए कुछ दिन समय निकाले और घर-घर पहुँचे। महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री विभा अवस्थी ने कहा कि सरोज पांडे छत्तीसगढ़ की बेटी है, और बेटी जहां खड़ी हो जाती है वही उनका घर बन जाता है। इसलिए आज बेटी को स्थापित करने की बारी है। उन्होंने कहा कि कोरबा लोकसभा की हर महिला सरोज पांडेय है, इसी सोच के साथ हमें लोकसभा चुनाव में उतरना है। महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष अर्चना रुनिजा ने कहा कि सरोज पांडेय के रूप में हमें एक कोहिनूर हीरा मिल गया है, वे ऐसी नेता है जो एक बूथ स्तर के भी कार्यकर्ता से सीधे बात करती हैं। हम सभी महिला मोर्चा के कार्यकर्ता काफी उत्साहित है। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं के आग्रह पर डॉ सरोज पांडे ने लोकगीत करमा व फाग गीतों पर सामूहिक नृत्य भी किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, मंदाकिनी त्रिपाठी, सरिता मिश्रा, शिवबालक तोमर, लोकेश चौहान एवं हितानंद अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सजग कोरबा के तहत 10 प्रेशर हॉर्न और 12 गाड़ी में लगे ब्लैक फ़िल्म हटाने की गयी कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,17 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा पुलिस द्वारा सजग कोरबा के तहत लगातार कार्यवाही की जा रही है।इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय यू.बी.एस. चौहान एवं नेहा वर्मा के पर्यवेक्षण में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थाना/चौकी के द्वारा शहरी क्षेत्र के प्रमुख चौक-चौराहों में तथा सभी ग्रामीण थाना क्षेत्रों में चेकिंग पॉइंट लगाकर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग किया जा रहा है। पुलिस

अधिकारियों के निर्देश के परिपालन में थाना एवं चौकी क्षेत्र में होली त्यौहार को देखते हुए पैदल पेट्रोलिंग किया जा रहा है पेट्रोलिंग के दौरान आसामाजिक तत्व, आम जगह पर शराब का सेवन करने वालों के विरुद्ध लगातार आबकारी एक्ट, एम वी एक्ट एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया जा रहा है। दिनांक 16/03/2024 को कोरबा पुलिस के द्वारा सरप्राइज़ चेकिंग के दौरान 10 प्रेशर हॉर्न और 12 गाड़ी में लगे ब्लैक फ़िल्म हटाने की कार्यवाही की गयी । कोरबा पुलिस के द्वारा नागरिकों से अपील की जाती है कि वह दो पहिया वाहनों में तीन सवारी ना चले, चेहरे पर नकाब, गमछा, रुमाल, मास्क अन्य चीजों से चेहरा छुपाकर एवं शराब पीकर वाहन ना चलाएं। वैध कागजात एवं ड्राइविंग लाइसेंस के बिना वाहन ना चलाएं साथ ही हेलमेट पहनकर वाहन चलाएं क्योंकि जीवन अनमोल है।

जिला न्यायालय अंबिकापुर में न्यायिक कर्मचारियों की बैठक संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

प्रांतीय संघ का द्वितीय चरण के सरगुजा संभाग में आयोजित दौरा कार्यक्रम के प्रथम दिवस में जिला न्यायालय अंबिकापुर (सरगुजा) में प्रांताध्यक्ष युधेश्वर सिंह ठाकुर प्रांतीय सचिव धीरज पलेरिया,प्रशासनिक अधिकारी प्रदीप गुप्ता-रामानुजगंज, आर.आर.मानिकपुरी-दुर्ग,संजय श्रीवास्तव-सूरजपुर,राजेश ठाकुर-रायगढ, राजेश केला -अंबिकापुर,न्यायालय उपाधीक्षक विजय पांडेय-रामानुजगंज, जिला स्थापना सूरजपुर के अध्यक्ष संजय सोनी,जिला स्थापना बैकुंठपुर (कोरिया) के अध्यक्ष प्रीतम महथा ,जिला स्थापना रामानुजगंज के अध्यक्ष सुमंत डहरिया,लेखापाल अनिल कुमार , जिला स्थापना सरगुजा (अंबिकापुर) के समस्त न्यायिक कर्मचारी गण,परिवार न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंबिकापुर के कर्मचारी गणों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शानदार आयोजन संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि गणों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, तत्पश्चात मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि गणों का स्वागत एवं जिला न्यायालय स्थापना सरगुजा के नवनियुक्त तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गणों का पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान एवं स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित न्यायिक कर्मचारियों तथा प्रशासनिक अधिकारी गणों के द्वारा अपने विचार रखे गये, तत्पश्चात प्रांताध्यक्ष युधेश्वर सिंह ठाकुर एवं प्रांतीय सचिव धीरज पलेरिया के द्वारा न्यायिक कर्मचारियों के वेतन विसंगति तथा अन्य ज्वलंत समस्याओं के संबंध में अपने विचार रखे गये तथा आगामी रणनीति के संबंध में अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन जिलाध्यक्ष अंबिकापुर राकेश सोनी द्वारा किया गया तथा उक्त कार्यक्रम में जिला न्यायालय के समस्त कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला सूरजपुर,छ0ग0

रा.प्र.क्र. 202403262000007/अ-20(3)

ईश्तहार

आगामी तिथि 28/03/2024

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदन/दानकर्ता अनिल कुमार आ0 उमाशंकर गुप्ता, उम्र लगभग 60 वर्ष, जाति सौण्डिक, निवासी मेने रोड सूरजपुर, पो. थाना व तहसील एवं जिला सूरजपुर,छ0ग0 के द्वारा नजूल भूमि दान किये जाने हेतु अनुमति प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2124/1 रकबा 4792 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/दानग्रहिता अंकित कुमार गुप्ता आ0 श्री अनिल कुमार गुप्ता, उम्र लगभग 28 वर्ष, जाति सौण्डिक, निवासी मेन रोड सूरजपुर, पो0थाना, तहसील व जिला सूरजपुर के पक्ष में पंजीकृत दानपत्र निष्पादित किये जाने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 28/03/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पुस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

उक्त भूमि को यदि कोई अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग का व्यक्ति अथवा आवेदित भूखण्ड के समीप के भूमिस्वामी द्वारा उपरोक्त मूल्य पर या उससे अधिक मूल्य पर भूमि का क्रय करने के इच्छुक हो तो वह इस न्यायालय में उपरोक्त दिनांक तक अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

आज दिनांक 13/3/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुदा से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला सूरजपुर,छ0ग0

रा.प्र.क्र. 202403262000006/अ-20(3)

ईश्तहार

आगामी तिथि 28/03/2024

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदन/दानकर्ता अनिल कुमार आ0 उमाशंकर गुप्ता, उम्र लगभग 60 वर्ष, जाति सौण्डिक, निवासी मेने रोड सूरजपुर, पो. थाना व तहसील एवं जिला सूरजपुर,छ0ग0 के द्वारा नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2914/4 रकबा 2174 वर्गफीट एवं 2125/1 रकबा 4792 वर्गफीट कुल प्लाट 02 योग रकबा 6966 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/दानग्रहिता अंकित कुमार गुप्ता आ0 श्री अनिल कुमार गुप्ता, उम्र लगभग 28 वर्ष, जाति सौण्डिक, निवासी मेन रोड सूरजपुर, पो0थाना, तहसील व जिला सूरजपुर के पक्ष में पंजीकृत दानपत्र निष्पादित किये जाने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 28/03/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पुस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोईविचार नहीं किया जायेगा।

उक्त भूमि को यदि कोई अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग का व्यक्ति अथवा आवेदित भूखण्ड के समीप के भूमिस्वामी द्वारा उपरोक्त मूल्य पर या उससे अधिक मूल्य पर भूमि का क्रय करने के इच्छुक हो तो वह इस न्यायालय में उपरोक्त दिनांक तक अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

आज दिनांक 13/3/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुदा से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
सूरजपुर

CMYK

हरियाणा,ओडिशा सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी

चैंपियनशिप 2024 के क्यूएफ में शामिल

पुणे,17 मार्च 2024। 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के पांचवें दिन पिंपरी के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में हॉकी हरियाणा, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और हॉकी मिजोरम ने अपने-अपने मैचों में जीत हासिल की। , पुणे. दिन के नतीजों के साथ, हॉकी हरियाणा और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। हॉकी हरियाणा ने पूल डी मुकाबले में ले पुडुचेरी हॉकी को 22-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। एक बार फिर, अनुभवी हॉकी हरियाणा की टीम अपने लक्ष्यों का पीछा करने में लगातार लगी रही। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका (4%, 11%, 14%, 15%, 42%, 49) ने अपना पर्पल पैच जारी रखा, जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड शर्मिला देवी (35%, 41%, 45%), और भारतीय महिला हॉकी टीम की रक्षक मोनिका (17%, 19%, 53%) और नीलम (15%, 25% और 30%) ने तीन-तीन मौकों पर गोल किया।

इसके अलावा, भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड नवनीत कौर (2%, 33%, 45%) ने भी शानदार हैट्रिक बनाई। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर ज्योति (32%, 33%) ने भी मौका नहीं छोड़ा और लगातार दो गोल करके दो गोल किए, जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर नेहा गोयल (40%), भारतीय महिला हॉकी टीम की फारवर्ड उदिता (42) ने भी एक गोल किया। पूल ई मुकाबले में, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी चंडीगढ़ के खिलाफ 6-1 की जीत के बाद अपनी लगातार दूसरी जीत हासिल की। ओडिशा के आक्रमण को दीप्ति लाकड़ा (10%, 23%) द्वारा निर्देशित किया गया और अजमीना कुजूर

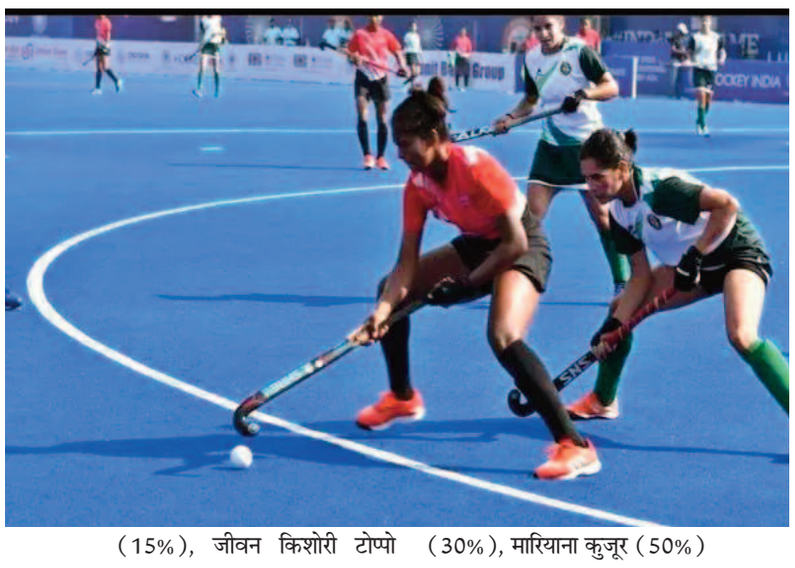

(15%), जीवन किशोरी टोप्पो (30%), मारियाना कुजूर (50%) और कप्तान लिलिमा मिंज (51%) ने गोल किए। इस बीच, प्रियंका (26%) हॉकी चंडीगढ़ के लिए एकमात्र गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। पूल एफ मुकाबले में हॉकी मिजोरम ने हॉकी राजस्थान के खिलाफ 20-2 से जीत दर्ज की। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड, लालरेम्सियामी (6%, 29%, 34%, 36%, 56%, 60%) और लालरिनपुई (13%, 15%, 26%, 51%, 57%) हॉकी के लिए शीर्ष स्कोरर रहीं। मिजोरम जबकि लालनेइहपुई (14%, 22%, 49) ने भी हैट्रिक बनाई। स्कोरशीट में जोड़ते हुए, मिजोरम के लिए वनलालहरियातपुई (27%, 39%), एच लालरुआतफेली (11%), लालथंतलुआंगी (17%), एफ.लालबियाक्सियामी (18%) और मरीना लालरामनघाकी (33%) ने भी स्कोर किया। राजस्थान के लिए दो गोल उषा कुमारी (33%) और मनीषा शर्मा (48%) ने किये।

बाद में शाम को, हॉकी हिमाचल प्रदेश पूल एफ मुकाबले में हॉकी पंजाब से भिड़ेगी जबकि मणिपुर हॉकी पूल जी मुकाबले में हॉकी कर्नाटक से भिड़ेगी। 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के शनिवार के अंतिम दो मुकाबलों में तमिलनाडु हॉकी यूनिट और हॉकी उत्तराखंड ने अपने-अपने मैच जीते। तमिलनाडु की हॉकी यूनिट ने हॉकी गुजरात को 6-0 से हराया। नंदिनी (14%, 15%, 34%, 41%) तमिलनाडु के लिए मुकाबले की स्टार कलाकार थीं। कृष्णप्रिया (24%) और सबरीमणिदेवी (59%) ने भी एक-एक गोल किया। हॉकी उत्तराखंड ने पूल जी में दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की। कप्तान ममता भट्ट (17%, 29%) ने एक महत्वपूर्ण गोल किया, जबकि कोमल धामी (7%), बीना पांडे (12%) और हेमा सिंह (57%) ने एक-एक गोल किया।

संक्षिप्त खेल समाचार

34 साल की हुईं भारत की बैडमिंटन क्वीन साइना नेहवाल

नई दिल्ली,17 मार्च 2024। भारत में रूढ़िवादी सोच के कारण हर साल कितनी ही बेटियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है। यह उसी भारत में होता है, जहां पर बेटियों को शक्ति व देवी स्वरूप माना जाता है। लेकिन समाज की मानसिकता हमेशा बेटे और बेटी में फर्क करती रही। क्योंकि बेटा वंश को आगे बढ़ाने का काम करता है। लेकिन वर्तमान समय में बेटियां हर क्षेत्र में कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। ऐसी ही कहानी है भारत की चैंपियन बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की। आज यानी की 17 मार्च को साइना नेहवाल अपना 34वां जन्मदिन मना रही हैं।

अमेलिया केर,सोफी डिवाइन इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड के पहले टी 20 मैच से हुई बाहर

नई दिल्ली,17 मार्च 2024। ई एस पी एन क्रिकइन्फो के अनुसार, न्यूजीलैंड के क्रिकेटर अमेलिया केर और सोफी डिवाइन इंग्लैंड के खिलाफ कीवी टीम के पहले टी20 मैच में हिस्सा नहीं लेंगे । हाल ही में, अमेलिया ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 के एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए हिस्सा लिया, जो रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ पांच रन से हार गई थी। इस बीच, न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कहा कि भारत से यात्रा जटिलताओं का मतलब है कि केर शुरुआती टी20ई में भाग लेने के लिए समय पर अपने देश नहीं लौट पाएंगी।

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए तुरुप का पत्ता साबित हो सकते हैं पैट कमिंस

मुंबई ,17 मार्च 2024। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लिए पैट कमिंस को साइन करने के सनराइजर्स हैदराबाद के साहसिक कदम पर प्रकाश डाला है, और कहा है कि कमिंस हैदराबाद के लिए तुरुप का पत्ता साबित हो सकते हैं। कमिंस के आईपीएल आंकड़ों को स्वीकार करते हुए, पठान ने आशा व्यक्त की कि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्थिति बदल सकते हैं और सनराइजर्स हैदराबाद को टूर्नामेंट में जीत दिला सकते हैं।

ध्रुव जुरेल आईपीएल 2024 से पहले राजस्थान रॉयल्स के कैंप में शामिल हुए

हैदराबाद,17 मार्च 2024। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 सीज़न से पहले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए।ज्यूरेल ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के दौरान भारत में पदार्पण किया, जहां उन्होंने 3 मैचों और 4 पारियों में भाग लेने के बाद 190 रन बनाए। आईपीएल में अब एक सप्ताह से भी कम समय बचा है और राजस्थान पिछले सीजन में मामूली अंतर से चूकने और एक सीजन पहले गुजरात टाइटंस से फाइनल हारने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन

जारी रखना चाहेगा।

राजस्थान स्थित फ्रेंचाइजी के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल ने टीम में शामिल होने वाले युवा खिलाड़ी की एक छोटी क्लिप साझा की। आरआर ने एक्स पर लिखा, केवल इसी तरह से आप स्वागत के पात्र हैं, नए सीज़न से पहले, आरआर ने मंगलवार को अपनी पिंक प्रॉमिस जर्सी का अनावरण किया, जिसे वे 6 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ अपने आईपीएल मैच के दौरान पहनेंगे, जो राजस्थान और देश की सशक्त महिलाओं को समर्पित होगी। .

जर्सी पर बांधनी पैटर्न टाई-डाइंग की प्राचीन कला का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें महिलाओं के लिए पारंपरिक राजस्थान पोशाक शामिल है। जर्सी में ग्रामीण राजस्थान की महिलाओं को दिए जाने वाले स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत सौर पैनलों का दृश्य प्रतिनिधित्व भी होगा। आरआर ने आईपीएल 2024 की नीलामी में रोवमैन पॉवेल, शुभम दुबे, टॉम कोहलर-कैडमोर, आबिद मुश्ताक और नंद्रे बर्गर को खरीदकर अपनी टीम को मजबूत किया।

विराट कोहली आईपीएल 2024 के लिए लौटे भारत

नई दिल्ली,17 मार्च 2024। विराट कोहली लंदन से भारत लौट आए हैं। इसका मतलब ये है कि किंग कोहली करीब 2 महीने बाद आईपीएल के जरिए एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

विराट कोहली को आईपीएल 2024 से पहले अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) में शामिल होने के लिए लंदन से भारत लौटते समय मुंबई हवाई अड्डे पर देखा गया। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के शुरू होने से ठीक पहले ही विराट ने टीम इंडिया से छुट्टी ले ली थी।

विराट अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय अपनी पत्नी अनुष्का

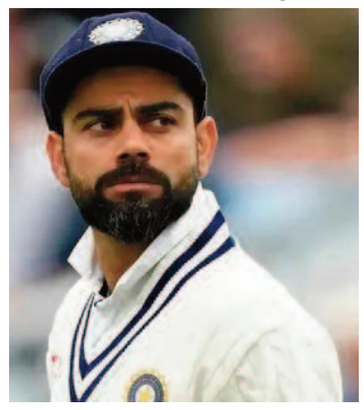

शर्मा के साथ रहना चाहते थे। इसलिए, उन्होंने क्रिकेट से दूरी बनाए रखने का फैसला किया। हालांकि, सोशल मीडिया पर अपने बेटे अकाए के जन्म की खबर देने से पहले इस स्टार कपल ने इस बात को राज रखा।पूर्व भारतीय कप्तान अब आरसीबी कैंप में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पहले यह बताया गया था कि वह आरसीबी अनबॉक्स' इवेंट से पहले बेंगलुरु में अपने साथियों के साथ शामिल हो सकते हैं। यह कार्यक्रम 19 मार्च को बेंगलुरु में आयोजित होने वाला है।आरसीबी 22 मार्च को आईपीएल 2024 के ओपनिंग मैच में चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स से भिड़ेगी।

पाकिस्तान की टीम में असुरक्षा का माहौल बना रहता है

कराची,17 मार्च 2024। तेज गेंदबाज नसीम शाह ने पाकिस्तान की टीम में असुरक्षा के माहौल पर खुलकर बात करते हुए कहा कि सीनियर खिलाड़ी थके होने के बावजूद 'ब्रेक' नहीं लेते हैं क्योंकि उन्हें डर रहता है कि उनकी जगह कोई जूनियर खिलाड़ी ले लेगा। शाह कंधे की चोट के कारण पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने कहा कि चोट के कारण टीम से बाहर होने पर उन्हें भी अपनी जगह गंवाने का डर था। शाह ने क्रिकविक से कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो प्रमुख खिलाड़ी अपने शरीर को आराम देने से डरते हैं जबकि वह जानते हैं कि उन्हें ब्रेक की जरूरत है क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट का माहौल इस तरह से है कि अगर कोई नया खिलाड़ी आता है तथा एक या दो मैच में

अच्छा प्रदर्शन करता है तो फिर आप नहीं जानते कि वह टीम में स्थायी तौर पर आपकी जगह ले लेगा।'' उन्होंने कहा, ''इस डर के कारण खिलाड़ी आराम नहीं कर पाते हैं क्योंकि उन्हें डर रहता है कि उनका करियर यहीं समाप्त हो सकता है।'' नसीम ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन, चयनकर्ताओं और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच स्पष्टता और बेहतर संवाद स्थापित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा,''अन्य देशों में अगर किसी प्रमुख खिलाड़ी को विश्राम दिया जाता है तो उसे आश्वासन दिया जाता है कि अगर उनकी जगह चुना गया खिलाड़ी एक या दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करेगा, तब भी उन्हें टीम से बाहर नहीं किया जाएगा।'' नसीम ने कहा कि अगर पाकिस्तान का कोई सीनियर खिलाड़ी शत प्रतिशत फिट महसूस नहीं कर रहा हो या उसके शरीर को आराम की जरूरत हो तो उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए जाते हैं।

पुरुष टी 20 विश्व कप 2024 में सेमीफाइनल के लिए दिन आरक्षित होंगे

दुबई ,17 मार्च 2024। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुष्टि की कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में सेमीफाइनल और फाइनल के लिए आरक्षित दिन निर्धारित होंगे। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 का आयोजन 1 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और यूएसए द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। इस आशय का निर्णय दुबई में आईसीसी की वार्षिक बोर्ड बैठक के दौरान लिया गया। पिछले संस्करणों में इस तरह के नियम की कमी पर काफी आलोचना का सामना करने के बाद आईसीसी ने भारत में आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 के फाइनल के लिए आरक्षित दिनों की शुरुआत की थी । बैठक के दौरान,आईसीसी ने पुरुष

टी20 विश्व कप 2024 के लिए खेल की शर्तों को भी मंजूरी दे दी और 2026 संस्करण के लिए योग्यता प्रक्रिया की घोषणा की, जिसकी सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका करेंगे। आईसीसी ने वार्षिक बोर्ड बैठक के बाद एक विज्ञप्ति में बताया कि इसके अलावा, आईसीसी ने निर्धारित किया है कि रूप चरण और सुपर आठ चरण में मैच आयोजित करने के लिए दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम को कम से कम पांच ओवर फेंकने की आवश्यकता होगी । हालाँकि, नॉकआउट दौर में, एक मैच के लिए दूसरी पारी में कम से कम 10 ओवर फेंकने की आवश्यकता होगी ।शुक्रवार को आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफिकेशन प्रक्रिया को भी मंजूरी दे दी गई, 20 टीमों का टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा और इसमें कुल 12 स्वचालित क्वालीफायर होंगे। 2024 संस्करण में शीर्ष आठ टीमें भारत और श्रीलंका के साथ स्वचालित क्वालीफायर के रूप में जुड़ेंगी, शेष स्थानों (दो और चार के बीच, मेजबान फिनिशिंग स्थिति के आधार पर) को आईसीसी पुरुष टी20 में 30 जून 2024 तक रैंकिंग तालिका में अगली सर्वश्रेष्ठ रैंक वाली टीमों द्वारा लिया जाएगा।

शुभमन गिल होगा गुजरात टाइटंस का मेन लीडर,हार्दिक की कमी करेगा पूरी

नई दिल्ली,17 मार्च 2024। आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस की कप्तानी शुभमन गिल करते हुए नजर आएंगे, जबकि हार्दिक पांड्या को आईपीएल के 17 वें सीजन के लिए मुंबई ने ट्रेड किया और उन्हें टीम का कप्तान नियुक्त किया। हार्दिक पांड्या के गुजरात टाइटंस छोड़ने के बाद हेड कोच आशीष नेहरा ने बड़ा बयान दिया है। आशीष नेहरा ने स्टार ऑलराउंडर शाहरुख खान की भूमिका को लेकर प्रतिक्रिया दी और कहा कि वह मुख्य खिलाड़ियों में से एक होंगे।

दरअसल, गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा ने आईपीएल 2024 से पहले शाहरुख खान की भूमिका को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस सीजन गुजरात के लिए मै फिनिशर की भूमिका शाहरुख खान निभाएंगे। आशीष नेहरा ने कहा कि हम शाहरुख खान को मुख्य एक्टर बनते देखने जा रहे हैं। नेहरा से जब गुजरात टीम में फिनिशरों के बारे में एक सवाल पूछा तो उन्होंनेजवाब देते हुए कहा कि

हम शाहरुख खान को मुख्य एक्टर बनते हुए देखेंगे। उन्होंने कहा कि आईपीएल एक बहुत लंबा टूर्नामेंट है। ऐसा नहीं है कि हम सिर्फ तीन, चार, पांच मैच खेल रहे हैं। मई और जून में भी परिस्थितियां कठिन होती हैं। यह खिलाड़ियों के लिए कठिन होगा, खास तौर पर तेज गेंदबाजों के लिए।

चोटें भी हो सकती हैं। इसलिए हमारे पास मौजूद हर खिलाड़ी अहम है और हमारे पास जो भी हैं वे अनुभवी हैं। स्पेंसर जॉनसन, अगर आप देखें, तो वह जहां भी हैं खेला, उसने अच्छा खेला। अजमतुल्लाह उमरजई फिर से, उसके पास एक ऑलराउंडर के रूप में इस दुनिया के सभी कौशल हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि उनके पास एक शानदार आईपीएल होगा।

शाहरुख खान ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। तमिलनाडु के शाहरुख खान ने आईपीएल के अब तक तीन सीजन खेले है, जिसमें उन्होंने कई अहम मौकों पर मैच फिनिशर की भूमिका भी निभाई।

अल्लू अर्जुन से भिड़ने की तैयारी में संजय दत्त

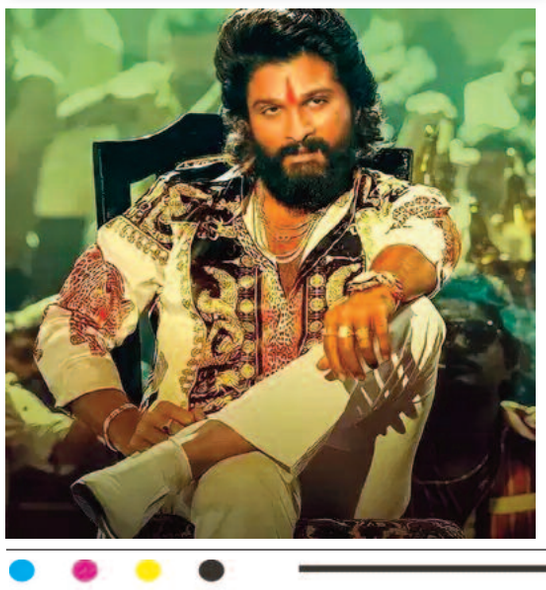

अपने जमाने के बेहतरीन अभिनेताओं में गिने जाने वाले संजय दत्त अब दक्षिण भारतीय सिनेमा में धमाल मचा रहे हैं। केजीएफ चैप्टर 2 में खलनायक बनकर सबके छक्के छुड़ाने वाले संजय ने साउथ में धमाकेदार शुरुआत की थी। इसके बाद वह एक के बाद एक फिल्म से जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।अब ऐसी खबर आ रही है, जिसे सुनकर उनके प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे।दरअसल, ताजा खबर के अनुसार अब संजय पुष्पा 2 से भी जुड़ गए हैं।पुष्पा- द रूल इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है और अब निर्माता इसे और भी दिलचस्प और रोमांचक बनाने की योजना बना रहे हैं।कथित तौर पर, निर्माता अब अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म में संजय को कास्ट करने की योजना बना रहे हैं।सियासत की एक रिपोर्ट की मानें तो पुष्पा 2 में संजय एक मेहमान भूमिका निभा सकते हैं।कथित तौर पर, संजय सुकुमार निर्देशित इस फिल्म में एक प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका निभा सकते हैं, जो कहानी को एक नया मोड़ देगा।इसके अलावा, यह भी दावा किया गया है कि अभिनेता का किरदार बहुत शक्तिशाली होगा और उन्हें खतरनाक डॉन के रूप में स्क्रीन पर पेश किया जाएगा।हालांकि, यह भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि अभी यह सिर्फ अटकलें हैं और इसके बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।इससे पहले दर्शकों ने संजय को यश की केजीएफ 2 में अधीरा की भूमिका निभाते देखा था, जिसके लिए उनकी काफी प्रशंसा हुई थी। इसके अलावा, संजय पिछले साल रिलीज हुई थलापति विजय की लियो में एंटनी दास के रूप में भी दिखाई दिए थे।हालिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि जाह्नवी कपूर भी पुष्पा 2 में नजर आ सकती हैं।ओटीटीप्ले की रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता जाह्नवी को पुष्पा 2: द रूल में एक डांस नंबर करने के लिए लेना चाहते हैं।अगर इन खबरों में सच्चाई हुई तो पुष्पा 2 अभिनेत्री की पहली तेलुगु फिल्म बन जाएगी।बता दें, पुष्पा- द राइज में सामंथा रुथ प्रभु ने ऊ अंटावा पर डांस कर दर्शकों का दिल जीता था।साल 2021 में रिलीज हुई पुष्पा- द राइज़ ब्लॉकबस्टर होने के बाद निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग का ऐलान कर दिया था। दर्शक तभी से पुष्पा 2 की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।अल्लू और रश्मिका मंदाना अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग चल रही है। बता दें, नवंबर 2023 में अभिनेता का स्वास्थय बिगडऩे के कारण फिल्म की शूटिंग रोक दी गई थी। हालांकि, अब फिर शुरू हो चुकी है।पुष्पा 2 15 अगस्त, 2024 को रिलीज होगी।

भूपेश बघेल के खिलाफ ईओडब्ल्यू का शिकंजा

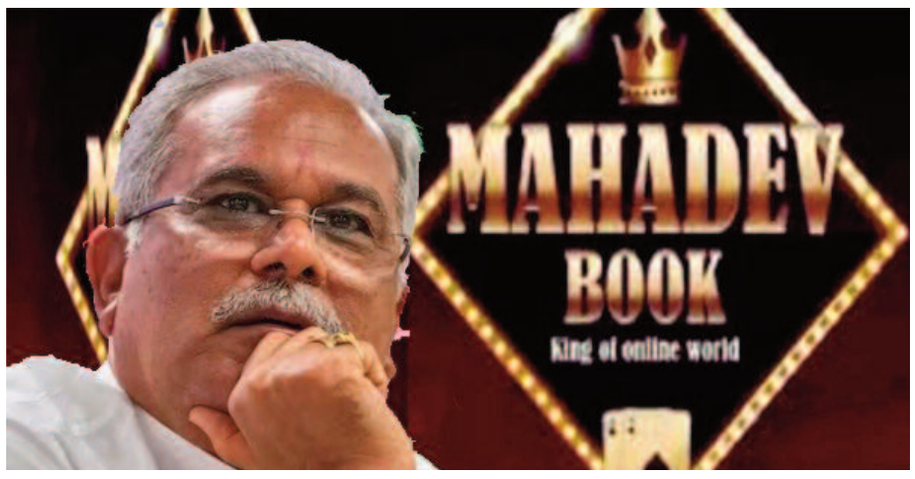

- 7 धाराओं में सभी आरोपियों पर एफआईआर दर्ज
- पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर एफआईआर दर्ज
- महादेव सट्टा ऐप घोटाले का मामला भी आया सामने

रायपुर,17 मार्च 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में सत्ता बदलते ही बहुत सी कहानियां बदलनी शुरू हो गयी है।पूर्व की सरकार के घोटालों की कहानियां अब भी चली आ रही है।महादेव एप का खेल भूपेश बघेल पर ही भारी पड़ता नजर आ रहा हूं।छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को महादेव ऑनलाइन बुक ऐप घोटाले में बड़ा झटका लगा है। इस मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस के द्वारा उन्हें आरोपी के रूप में नामित कर मामला दर्ज किया गया है। इस ऐप का अनुमानित कीमत ₹6,000 करोड़ है, वहीं लोकसभा चुनाव से पहले ये मामला कांग्रेस नेता के लिए कई समस्याएं पैदा कर सकता है। पूर्व सीएम बघेल पर पुलिस के एफआईआर में आईपीसी के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, विश्वासघात और जालसाजी से संबंधित विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 11 के तहत आरोप लगाया गया हैं। वहीं इस एफआईआर में भूपेश बघेल के अलावा महादेव ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल समेत 16 अन्य लोगों का नाम शामिल है।

महादेव ऐप को फायदा पहुंचने का आरोप

, इसी साल 8 और 30 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा राज्य पुलिस को दो रिपोर्ट भेजे जाने के बाद बघेल के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। दरअसल, ईडी के रिपोर्ट में कहा गया है कि धन संरक्षण के बदले महादेव ऐप की अवैध गतिविधियों को अनुमति देने के लिए राज्य सरकार के शीर्ष स्तर के पदाधिकारियों की संलिप्तता का खुलासा करता है।

गौरतलब है कि, पिछले साल नवंबर में वित्तीय अपराध जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि चंद्राकर और उप्पल ने बघेल को ₹508 करोड़ की रिश्वत दी थी।वर्तमान में दोनों संयुक्त अरब अमीरात की देखरेख में हिरासत में हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के माध्यम से उनके प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध पहले ही संयुक्त अरब अमीरात भेजा जा चुका है।

छत्तीसगढ़ पुलिस ने इस मामले एफआईआर दर्ज कर लिया है। जिसमें कहा गया है कि महादेव बुक ऐप के प्रमोटरों के द्वारा विभिन्न पुलिस अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों और प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों को भारी मात्रा में रिश्वत दिया था। ताकि उनकी अवैध गतिविधियों पर पुलिस कोई कार्रवाई न करें। ऐप के प्रमोटरों ने आला अधिकारियों को यह पैसा हवाला ऑपरेटरों के जरिए भेजवाता था।

पुलिस के एफआईआर में आगे कहा गया है कि अवैध संपत्ति उगाही के लिए आला अधिकारियों के द्वारा आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया गया। वहीं इस एफआईआर की सबसे खास बात यह है कि किसी भी वरिष्ठ पुलिस या प्रशासनिक अधिकारी का नाम एफआईआर में दर्ज नहीं है। खबरों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ पुलिस के एफआईआर के आधार पर प्रवर्तन निर्देशालय एक नया मनी लॉन्ड्रिंग मामला भूपेश बघेल के नाम पर दर्ज कर सकता है।इस मामले से प्रदेश की राजनीति में बवाल मचना लगभग तय है।अब इस मामले में आगे क्या होगा यह देखना बाकी है।

राजनीतिक प्रतिशोध के चलते बीजेपी सरकार ने मुझ पर कराया एफआईआर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने लगाया आरोप

महादेव सट्टा एप्प मामले में ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज एफ आईआर में अपना नाम आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजीव भवन में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस मौके पर उन्होंने ईओडब्ल्यू द्वारा 4 मार्च को दर्ज एफ आईआर को 14 दिन बाद दिल्ली के अख़बार में प्रकाशित किये जाने पर ही सवाल उठा दिया और आरोप लगाया कि विशुद्ध रूप से राजनितिक प्रतिशोध के चलते इस स्वढ्ढक्रमें मेरा नाम दर्ज कराया गया है।

राजनांदगांव में चुनाव हार चुकी है भाजपा

भूपेश बघेल ने कहा कि राजनांदगांव लोकसभा चुनाव में वे प्रत्याशी हैं और यहां के 13-14 दिनों के सर्वे में बीजेपी को अहसास हो गया है कि वह हार रही है, इसलिए आज महादेव सट्टा एप्प मामले में मेरे नाम दर्ज एफआईआर को उजागर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पूरे प्रदेश में भाजपा को नुकसान होने वाला है और मैं सरकार द्वारा कराये गए इस तरह के एफआईआर से डरने वाला नहीं हूं।

72 एफआईआर और सैकड़ों गिरफ्तारियों के बावजूद

भूपेश बघेल ने कहा कि महादेव सट्टा के मामले में उनके कार्यकाल में सन 2022 से सर्वाधिक 74 एफआईआर दर्ज हुए, 450 से अधिक लोगों की गिरफ्तारियां हुईं। और आज उन्हें (भूपेश) ही कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। इन कार्रवाइयों के दौरान सैकड़ों इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियां जब्त की गईं। पूरे देश में केवल छत्तीसगढ़ में महादेव सट्टे के खिलाफ कार्रवाई की गई। अब उल्टे सट्टे के मामले में दर्ज एफआईआर में उनका नाम भी जोड़ दिया गया है।

आज भी जारी है महादेव सट्टा

इस पत्रवार्ता में भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि जिस महादेव सट्टे के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने एफआईआर दर्ज किया है, वह आज भी पूरे देश में संचालित हो रही है। अपने कार्यकाल में उन्होंने विदेश से सट्टा संचालित कर रहे सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को पकड़ने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया था, मगर केंद्र आज तक इन आरोपियों को पकड़ नहीं पाई। उल्टे कहानी में ट्विस्ट लाते हुए शुभम सोनी की इंट्री कराई गई। भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि शुभम सोनी का वीडियो भाजपा कार्यालय से जारी किया गया। वहीं दुर्ग के जिस असीम दास से रायपुर में करोड़ों रूपये की जब्ती की गई, उससे झूठा बयान दर्ज कराते हुए उनका नाम लिया गया। जबकि जिस गाड़ी में रूपये बरामद हुए, वह भाजपा के दिग्गज नेता के भाई की निकली।

सट्टेबाज से मिला सर्वाधिक चन्दा

भूपेश बघेल ने वर्तमान में सुर्ख़ियों में चल रहे इलेक्टोरल बांड की चर्चा करते हुए कहा कि आज भाजपा मुझ पर सटोरियों से प्रोटेक्शन मनी मिलने का आरोप लगा रही है, जबकि सच तो यह है कि भारतीय जनता पार्टी को सट्टा और लॉटरी चलाने वाले 'फ्यूचर गेमिंग' से सर्वाधिक चन्दा मिला है। उन्होंने भाजपा सरकार पर सटोरियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

एफआईआर में कहीं जिक्र नहीं : भूपेश

4 मार्च को दर्ज एफआईआर में 6 वें नंबर पर अपने नाम की चर्चा करते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि एफ आईआर में जो मजमून है उसमें उनके नाम का जिक्र कहीं पर नहीं है। इसमें अधिकारियों और राजनेताओं को 'प्रोटेक्शन मनी' देने का जिक्र है। अगर ऐसा है तो इसमें केवल उनका नाम क्यों डाला गया, अधिकारियों का नाम एफआईआर में दर्ज क्यों नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल उन्हें बदनाम करने की नीयत से ऐसा किया गया है।भूपेश बघेल ने कहा कि प्रोटेक्शन मनी देने का मतलब पैसे लो और कार्रवाई मत करो, मगर उनकी सरकार में तो सट्टे के खिलाफ सर्वाधिक कार्रवाई की गई है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि राजनांदगांव में भाजपा हार रही है, इसलिए महादेव सट्टे में मेरे नाम का उल्लेख करते हुए मुझे बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

आयुष्मान को 1200 करोड़ रुपये नहीं मिले तो कई अस्पताल बंद हो जायेंगे

रायपुर,17 मार्च 2024 (ए)। राज्य में सरकारी स्कीम से आयुष्मान योजना के तहत इलाज करने वाले निजी अस्पतालों के लगभग 1200 करोड़ अटक गए हैं। विधानसभा की आचार संहिता के पहले ही प्राइवेट अस्पतालों का भुगतान रोक दिया गया था।पिछले महीने करीब 250 करोड़ का भुगतान किया गया, लेकिन किसी अस्पताल को 20 तो किसी 50 हजार तक ही पेमेंट हुए। करीब 10%2 दिनों के भीतर पूरा बजट बंट गया। इस बीच अस्पतालों का बैलेंस फिर 12 सौ करोड़ के आस-पास पहुंच गया। लंबे समय से भुगतान अटकने से रायपुर-बिलासपुर में छोटे और मंझोले अस्पताल बंद होने लगे हैं। शुक्रवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सदस्यों ने स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर कहा- तुरंत भुगतान की व्यवस्था नहीं हुई तो कई अस्पताल बंद हो जाएंगे।आयुष्मान और डा. खूबचंद बघेल योजना के तहत फ्री इलाज का सिस्टम पिछले साल अगस्त सितंबर से ही गड़बड़ा गया है। नर्सिंग होम संचालकों से कहा गया था कि चुनाव की आचार संहिता लगने के पहले भुगतान कर दिया जाएगा। ऐसा नहीं हुआ। चुनाव के बाद आचार संहिता हटने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया।इस बीच क्लेम की राशि करीब 12 सौ करोड़ रुपए हो गई। अस्पताल संचालकों की ओर से दबाव बनाने पर करीब ढाई सौ करोड़ का भुगतान किया गया। ये पैसे सभी अस्पतालों को बांटे गए। आश्वासन दिया गया था कि बाकी पेंडिंग का भी भुगतान जल्द कर दिया जाएगा पर ऐसा नहीं हुआ।

मुठभेड़ में ढेर नक्सली कमांडर की मनेकर के रूप में हुई शिनाख्त

मनेकर नक्सलियों की मिलिट्री कंपनी 5 का कमांडर

कांकेर,17 मार्च 2024 (ए)। जिले के कोयलीबेड़ा में नक्सली और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में जवानों ने एक वर्दीधारी माओवादी को ढेर कर दिया। मारे नक्सली की पहचान मनेकर के तौर पर हुई हैं।

मनेकर नक्सलियों की मिलिट्री कंपनी 5 का कंपनी कमांडर था। इस एनकाउंटर के बाद सर्चिंग के दौरान पुलिस को मौके से मनेकर की लाश के साथ बड़ी संख्या में दूसरे सामान भी मिले हैं। इसके अलावा एक थ्री नॉट थ्री रायफल, एक 12 बोर की बंदूक और 9 बीजीएल भी बरामद किया गया हैं। पुलिस के मुताबिक़ उन्हें जंगल में बड़े नक्सली लीडर राजू सलाम की मौजूदगी की खबर मिली थी। जिसके बाद टीम गठित कर संभावित ठिकानों के लिए टीम को रवाना किया गया था हालांकि राजू सलाम तो नहीं लेकिन पुलिस की मुठभेड़ मनेकर की टीम से हो गई।

संक्षिप्त खबर

पेट्रोल डलवाते वक्त फटा पाइप

रायपुर,17 मार्च 2024(ए)। पेट्रोल पंप की इस लापरवाही से कभी भी बड़ी घटना घट सकती है।. पूरा मामला राजधानी के पचपेड़ी नाका स्थित एम/एस पाली फ्यूल्स का है। जहां रोजाना पेट्रोल डलवाने सैकड़ों ग्राहक पहुंचते है। कल वहां पेट्रोल डालते समय पाइप फटने से हड़कंप मच गया। एक ग्राहक पेट्रोल से भीग गया। हालांकि कोई हताहत नहीं हुए. लेकिन इस तरह की लापरवाही बरतने पर विस्फोट जैसी घटना घट सकती है। यह पेट्रोल पंप शहर भीतर संचालित हो रहा है। जिला प्रशासन को भी इस मामले पर संज्ञान लेना चाहिए।

पहली बार पुलिस में एक साथ 35 अधिकारियों को संशोधन

- दागदार अफसरों को मिला विभाग
- बिना ज्वाइन किए ही संशोधन कराकर लौट गए टीआई और अधिकारी...

रायपुर,17 मार्च 2024 (ए)। नई साय सरकार ने शपथ के दो माह बाद प्रशासन और पुलिस में बड़ी सर्जरी की। पिछले सरकार में मलाईदार और प्रभावशाली पदों में रहे अधिकारियों को हटा दिया गया। कुछ को बिना विभाग के बैठाया तो कुछ को नक्सल क्षेत्र में पोस्टिंग की गई। दावा किया गया था कि पिछली सरकार में जिनके साथ अन्याय हुआ और लुपलाइन में रहें। उन्हें फ्रंट लाइन में लाया जाएगा। सरकार द्वारा जारी तबादला सूची देखकर ऐसा ही लगा। कर्मचारियों से लेकर अधिकारी और संगठन व सत्ता में खुशी भी थी, लेकिन 10 दिन के भीतर सूची बदल दी गई। थोक में पुलिस, प्रशासन और अन्य विभाग में संशोधन कर दिया गया। इससे सरकार की मंशा पर भी सवाल उठ रहा है कि क्या तबादला करते समय विचार नहीं दिया गया या अधिकारियों से चर्चा नही की गई। पुलिस विभाग में एक दिन में ही 35 अधिकारियों से ज्यादा का संशोधन किया गया है। भ्रष्टाचार के आरोप में खाली बैठाए गए आईएएस को भी अच्छा विभाग दे दिया गया। पीएचई, पीडब्ल्यूडी, परिवहन, पंचायत से लेकर सभी विभाग में यही रहा।

बिना ज्वाइनिंग किए संशोधन

शनिवार को 15 से ज्यादा इंस्पेक्टर, 12 डीएसपी और 8 एएसपी का संशोधन किया गया है। इसमें जिन एएसपी को कैंप और नक्सल प्रभावित इलाके में भेजा गया था। सिर्फ अब कैंप में भेजे गए 6 में से से तीन अधिकारी का ही संशोधन नहीं हुआ है। बाकि संशोधन करा लिए हैं। उन्हें वापस लौटा दिया गया है। जिनका ट्रांसफर हुआ है किसी ने अब तक ज्वाइन नहीं किया है। अधिकांश लोग बिना ज्वाइन के ही वापस आ गए हैं। जबकि ट्रांसफर में इतनी विसंगती है कि रायपुर सिविल लाइन सीएसपी, डीएसबी, खैरागढ़ एसडीओपी, गंडाई, एटीएस चीफ, समेत कई पद खाली हैं।

राज्य में ट्रांसफर उद्योग चलने का आरोप

पिछले सरकार पर भ्रष्टाचार और ट्रांसफर उद्योग चलाने का आरोप लगाकर भाजपा सत्ता में आई है। लेकिन पिछले 3 माह की साय सरकार पर भी ट्रांसफर उद्योग चलाने का आरोप लगने लगा है। पुलिस और प्रशासनिक महकमे में चर्चा है कि जिनका संशोधन हुआ है कि उन्होंने पवारफुल जगह में पदस्थ ओएसडी और निज सचिव को मोटी रकम दी है। तभी कुछ टीआई व अधिकारी पहले ही दावा कर रहे थे कि उनका आदेश निरस्त हो जाएगा। पुरानी जगह पर ही रहेंगे। इसकी संघ में भी शिकायतें की गई। लोगों में चर्चा है कि कांग्रेस सरकार की राह में भाजपा सरकार भी हैं।

160 करोड़ की विभिन्न योजनाएं लटकी अधर में

लोगों को फिर से झेलनी पड़ेगी परेशानी

रायपुर,17 मार्च 2024 (ए)। राजधानी के लोगों को पिछले साल की तरह इस वर्ष भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि नगरीय प्रशासन में रायपुर नगर निगम से पहुंची 160 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की लगभग 10 फाइलों पर स्वीकृति तो मिल गई, लेकिन निगम आगे की प्रक्रिया आचार संहिता लागू होने के चलते अब नहीं कर पाएगा।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार इसमें प्रमुख रूप से जलभराव की समस्या झेलने वाले क्षेत्रों में नाला निर्माण, नाली निर्माण, डामरीकरण, भवन निर्माण, पेयजल समस्या वालों क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार कार्यों का प्रस्ताव नगरीय प्रशासन विभाग को भेजा गया था। ये विकास कार्य नगर निगम के सभी वार्डों में कराए जाने थे।

रअसल राजधानी के कई इलाके ऐसे हैं, जहां आज भी नागरिकों को बरसात के समय में जलभराव जैसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ता है। इनमें समता कालोनी, पुरानी बस्ती, भाठागांव सहित कई क्षेत्र शामिल हैं। इस प्रस्ताव में जोन-5 के कुछ क्षेत्रों में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से डामरीकरण, 50 लाख का नाला निर्माण, लाखे नगर, अश्विनी नगर क्षेत्र में 20 से 30 लाख रुपये कई छोटे-छोटे आवश्यक कार्य के प्रस्ताव शामिल थे, जो आचार संहिता खत्म होने के बाद ही कराए जा सकेंगे।

फिर लटके पुराने कार्य

नगर निगम में करोड़ों रुपये के ऐसे विकास कार्य हैं, जिनमें टेंडर और वर्कआर्डर जैसी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन इन कार्यों को अभी तक शुरू नहीं कराया जा सका है। इसमें शंकर नगर से जगन्नाथ नगर तक 97 लाख रुपये का नाला निर्माण, गोरख कालोनी में 1 करोड़ 34 लाख रुपये का नाला, वीर सावरकर नगर में 21 लाख रुपये की लागत से सुलभ शौचालय का कार्य, तात्यापारा वार्ड में सिंधी स्कूल से अग्रसेन चौक दुर्गा मंदिर तक 97 लाख से डामरीकरण का कार्य, अशोक बिहार कालोनी मेन रोड से शिव मंदिर तक नाली निर्माण कार्य, विजय नगर से कोयला बस्ती तक 10 लाख की लागत से नाली निर्माण का कार्य शामिल है।

बीजेपी नेता के यहां डकैती की कोशिश

रायपुर,17 मार्च 2024(ए)। राजधानी रायपुर में डकैतों का खौफ बना हुआ है। माना में डकैती की वारदात को अंजाम देने से एक रात पहले डकैत नया रायपुर में भाजपा नेता के घर पहुंचे थे। उन्होंने वहां भी डकैती की कोशिश की। हालांकि यहां वो वारदात करने में सफल नही हो पाए। बीजेपी नेता संतराम साहू ने राखी थाना में एफआईआर दर्ज करवाई जिसमें उन्होंने बताया कि वो उपरवाला, नया रायपुर में रहते है। इलाके के जनपद पंचायत सदस्य है। 14 मार्च की रात करीब 1 बजे थे। उनके दो मंजिला मकान में ऊपर रहने वाले किराएदार किशन निषाद ने उन्हें जोरदार आवाज लगाई। जब संतराम दौड़कर ऊपर पहुंचा तो डरा-सहमा किशन ने उसे बताया कि वो वाशरूम जाने के लिए उठा था। इस दौरान दो नकाब पहने लोग सीढ़ी से ऊपर आ गए। आरोपियों ने किशन को देखते ही उसके सिर में डंडे और पत्थर से हमला कर दिया। जब किशन जोरदार चिल्लाया तो आरोपी सीढ़ियों से नीचे उतरकर पिछले गेट से भाग खड़े हुए। हमले में किशन के हाथों में चोट भी आई। जब संतराम ऊपर चढ़ रहा था तो उसने पीछे से एक आरोपी को देखा भी। लेकिन अंधेरा ज्यादा होने की वजह से वो ओझल हो गया।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में शौचालय में टूट-फूट से पसरी गंदगी

कुछ महीनो पहले ही स्कूल का हुआ है सौंदर्यकरण

बिलासपुर,17 मार्च 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल की शुरुआत की थी. जिसका लाभ गरीब व निम्न वर्ग के बच्चों को भरपूर मिलने का दवा किया गया था।स्वामी आत्मानंद स्कूलों को लाखों रुपए खर्च करके सवारा गया है, ऐसा सरकारी आंकड़ा शिक्षा विभाग बता रहा है लेकिन दयालबंद के मल्टीपरपज स्कूल की व्यवस्था देखकर लगता है कि पैसे का उपयोग केवल कागजो में ही हुआ है। स्कूल के सौंदर्यकरण के नाम पर यहा शौचालय का निर्माण किया गया।लेकिन कुछ महीनो के बाद यहां टूटा फूटा गंदा शौचालय देखने को मिल रहा है। यही नहीं इसकी वजह से समस्या के साथ यहां बीमारियों का खतरा बना हुआ है इतने कम समय में शौचालय में टूट फूट होना यह दर्शा रहा है की किस कदर भ्रष्टाचार यहां हुआ है। यह मामला कही न कही शिक्षा विभाग पर प्रश्न चिन्ह खड़ा हो रहा है की स्कूल सवारने ख़र्च हुई राशि ,कहा गई।अब ऐसे घटिया काम पर शासन क्या एक्शन लेता है यह देखना होगा।

चौराहों पर एंबुलेंस पहुंचते ही सिग्नल हरे हो जाएंगे

रायपुर,17 मार्च 2024(ए)। राजधानी रायपुर के चौक-चौराहों पर अब एंबुलेंस पहुंचते ही सिग्नल ग्रीन हो जाएंगे। इसके लिए रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने नगर निगम और यातायात पुलिस के साथ मिलकर पहल की है।इस एंबुलेंस ग्रीन कॉरिडोर सर्विस की रायपुर में शुरुआत हो गई है। इस तकनीक के बाद अब कम से कम समय में मरीजों को अस्पताल पहुंचाया जा सकेगा। इस प्रोजेक्ट के संबंध में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक अविनाश मिश्रा के अनुसार मरीजों को जल्द अस्पताल पहुंचाने के लिए ये ऑटोमैटिक सिस्टम शुरू किया गया है। जीपीएस से लैस 108 एम्बुलेंस से मैसेज मिलते ही ये सिस्टम एक्टिव हो जाएगा। इससे एंबुलेंस कम समय में अस्पताल तक पहुंच पाएंगे। उन्होंने बताया कि फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तहत शहर में सेवा दे रहे 108 से जुड़े एंबुलेंस को इससे जोड़ा गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)